धनबाद, शुक्रवार
22 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 231
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

क्लियरनेट ने जोड़ा 6.5 लाख से अधिक हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स

नई दिल्ली, (एजेंसी) : मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए संरचित और वैज्ञानिक संवाद के विश्वसनीय प्लेटफॉर्म क्लियरनेट से अबतक साढ़े छह लाख से अधिक हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स जुड़ चुके हैं। कंपनी ने सीएमई कार्यक्रमों, एआई-आधारित लर्निंग पहल और डॉक्टरएंगेजमेंट प्लेटफॉर्म्स में बढ़ती भागीदारी दर्ज की है। कंपनी डेंटलनेट और वेटनेट के माध्यम से विशेष समुदायों को और मजबूत कर रही है तथा मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार कर रही है। इसके कारण हाल ही में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क द्वारा आयोजित यूथकॉन 2026 में डिजिटल सीएमई के माध्यम से मेडिकल लर्निंग में परिवर्तन श्रेणी में क्लियरनेट को सम्मानित किया गया।कंपनी के सह-संस्थापक सौरव कसेरा ने विज्ञप्ति जारी कर कहा, ह्यूथकॉन में मिला यह सम्मान आज के हेल्थकेयर इकोसिस्टम में सुलभ और निरंतर मेडिकल लर्निंग के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। आज डॉक्टर ऐसे विश्वसनीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की तलाश में हैं, जो वैज्ञानिक शिक्षा, सहयोग और रियल-टाइम नॉलेज एक्सचेंज को सक्षम बनाते हों। हमारा फोकस एक डॉक्टर-फर्स्ट इकोसिस्टम तैयार करने पर है, जो तकनीक, वैज्ञानिक विश्वसनीयता और समुदाय-आधारित एंगेजमेंट को बड़े स्तर पर जोड़ता हो।

कांटा पहाड़ी में भू-धंसान से आधा दर्जन घरों में दरार, सड़के फटी, लोगों में दहशत

बचाव कार्य में ना तो बीसीसीएल प्रबंधन सामने आए न ही प्रशासन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : बीसीसीएल कतरास क्षेत्र तथा अंगारपथरा ओपी के अंतर्गत कांटा पहाड़ी बस्ती में गुरुवार शाम भू-धसान होने से आधा घरों में दरार पड़ गई। कांटा पहाड़ी के रहने वाले राजेश कुम्हार का घर भू-धंसान के चपेट में आ गया।भू-धंसान की घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में दहशत व्याप्त है. लोग अपने-अपने घरों को छोड़कर भाग रहे हैं। कांटा पहाड़ी में लगातार अवैध उत्खनन के कारण भू-धंसान की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। घटना के बाद ना तो बीसीसीएल प्रबंधन और ना ही स्थानीय प्रशासन बचाव कार्य के लिए देखे जा रहे हैं. जिससे ग्रामीणों में काफी रोष देखा जा रहा है। कांटा पहाड़ी इलाके में लगातार भू-धंसान की घटना घट रही है। अवैध उत्खनन को नहीं रोका गया तो कभी भी यहां दर्जनों घर जमीदोंज हो सकती है।यहां दूसरा टंडाबारी बन सकता है। कांटा पहाडी के लोग लगातार जिला प्रशासन से अवैध खनन की शिकायत कर रहे हैं लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से ग्रामीण परेशान है. यहां आए दिन भू-धंसान की घटनाएं हो रही है।

मुख्यमंत्री से मिले साईं नाथ यूनिवर्सिटी के कुलपति

रांची । मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में साईं नाथ यूनिवर्सिटी, रांची के कुलपति-सह-पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स, झारखंड के अध्यक्ष प्रो० (डॉ०) एस० पी० अग्रवाल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स, झारखंड द्वारा आगामी जून माह 2026 में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर समिट में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

एलपीजी संकट की खबरों पर सरकार का जवाब: देश में गैस की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज स्ट्रेट पर संकट की आशंकाओं के बीच भारत में एलपीजी यानी रसोई गैस की कमी को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में आई एक अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत को रोजाना करीब 4 लाख बैरल एलपीजी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि केंद्र सरकार ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और सप्लाई सामान्य बनी हुई है पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बयान जारी कर कहा कि देश में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि घरेलू एलपीजी उत्पादन को बढ़ाकर लगभग 46,000 से 47,000 टन प्रतिदिन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में 1.32 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 1.34 करोड़ घरेलू गैस सिलेंडर डिलीवर किए गए हैं, जिससे साफ है कि सप्लाई चेन पूरी तरह सक्रिय है।

सरकार के मुताबिक भारत अपनी जरूरत का करीब 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है और इसमें लगभग 90 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते आता रहा है। ऐसे में क्षेत्रीय तनाव के कारण सप्लाई बाधित होने की आशंका बनी थी। हालांकि सरकार ने स्थिति संभालने के लिए वैकल्पिक देशों से आयात बढ़ाने और घरेलू उत्पादन बढ़ाने जैसे कई बड़े कदम उठाए हैं।

नेक्केई एशिया की रिपोर्ट में डेटा फर्म केप्लर के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया गया था कि अप्रैल में भारत का एलपीजी आयात घटकर 3,77,620 बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि फरवरी में यह 8,51,870 बैरल प्रतिदिन था। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत ने मिडिल ईस्ट के अलावा ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, चिली और ईरान जैसे देशों से एलपीजी खरीद बढ़ाने की कोशिश की है। हालांकि इन देशों से आने वाली सप्लाई मात्रा और समय दोनों के लिहाज से चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है।

सरकार का प्लान-बी बना राहत

एलपीजी संकट की आशंकाओं के बीच सरकार ने कई रणनीतिक फैसले लिए। इनमें घरेलू उत्पादन बढ़ाना, सप्लाई नेटवर्क मजबूत करना और आयात के स्रोतों में विविधता लाना शामिल है। सरकार ने गैस सिलेंडर बुकिंग की टाइमलाइन में भी बदलाव किए ताकि उपभोक्ताओं को समय पर डिलीवरी मिल सके। इससे संभावित संकट का असर काफी हद तक कम हुआ है।

इस बीच तेल कंपनियों ने घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी भी की है। मार्च में घरेलू 14.2 किलो वाले सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की वृद्धि की गई थी। वहीं कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में दो बार इजाफा हुआ और 1 मई 2026 को इसकी कीमत में करीब 993 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।एचपीसीएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि तेल और गैस की सप्लाई में किसी तरह की रुकावट नहीं है। कंपनी ने कहा कि उसके सभी रिटेल आउटलेट्स पर सप्लाई सामान्य है और संचालन बिना किसी बाधा के जारी है। कंपनी ने लोगों से अपील की कि वे घबराकर अतिरिक्त खरीदारी न करें और सोशल मीडिया पर फैल रही अपुष्ट खबरों पर भरोसा न करें।

भारत-दक्षिण कोरिया का उन्नत रक्षा सहयोग: लेजर और वायु रक्षा प्रणालियों पर जोर

भारतीय रक्षा कंपनी लार्सन एंड टर्बो ने दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए

सियोल,(एजेंसी) : भारत और दक्षिण कोरिया ने मिलकर स्टार वॉर्स जैसी अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों के विकास और उत्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सियोल की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते किए हैं, इसके तहत दोनों देश लेजर हथियार और मोबाइल एयर डिफेंस प्लेटफॉर्म जैसी अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों को संयुक्त रूप से तैयार करने की योजना बना रहे हैं। यह पहल विशेष रूप से उभरते हवाई खतरों का मुकाबला करने के उद्देश्य से की गई है।केंद्रीय रक्षा सिंह ने कहा कि वाणिज्यिक क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग की सफलता को अब रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी बढ़ेगी। उन्होंने द.कोरिया की तकनीकी उत्कृष्टता, भारत के बड़े पैमाने, प्रतिभा, विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र और नवाचार क्षमताओं को मजबूत सहयोग आधार बताया। उन्होंने कहा कि साथ मिलकर दोनों देश भविष्य के लिए

उन्नत प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों का विकास और उत्पादन कर सकते हैं।अपनी यात्रा के दौरान, राजनाथ सिंह ने रिपब्लिक ऑफ कोरिया (आरओके) के रक्षा मंत्री आन ग्यू-बैक के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। इस बातचीत का मुख्य जोर औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उत्पादन, समुद्री सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर था।सूत्रों ने बताया कि यात्रा के दौरान भारतीय रक्षा कंपनी लार्सन एंड टर्बो (एलएंडटी) ने भविष्य के लिए निर्देशित ऊर्जा हथियार और स्वचालित वायु रक्षा प्रणाली के संयुक्त विकास और उत्पादन के लिए समझौते किए। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने इन दो समझौतों को दक्षिण कोरिया की हनवा कॉर्पोरेशन के साथ किए करार बताकर भारत-कोरिया रक्षा नवाचार और प्रौद्योगिकी साझेदारी के लिए एक मजबूत भविष्य का संकेत बताया।रक्षा मंत्री राजनाथ ने दक्षिण कोरिया के रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन (डीएपीए) के मंत्री ली योंग-चुल से भी मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने संयुक्त विकास के साथ-साथ संयुक्त निर्यात के मौके पैदा करने के लिए अपने आपसी प्रयासों का उपयोग करने पर सहमति जाहिर की। इसके अतिरिक्त, राजनाथ सिंह ने भारत-आरओके रक्षा उद्योग व्यापार गोलमेज सम्मेलन की भी अध्यक्षता की, जिसमें दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और प्रमुख रक्षा उद्योग प्रतिनिधि एक साथ शामिल हुए, जिसने रक्षा क्षेत्र में गहरे सहयोग के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

दिल्ली में ऑटो-टैक्सी और ट्रांसपोर्ट हड़ताल से जनजीवन प्रभावित

ग्रीन टैक्स बढ़ोतरी के विरोध में 16 लाख ऑटो सड़कों से बाहर

रेलवे स्टेशनों पर बढ़ी यात्रियों की परेशानी

नई दिल्ली,(एजेंसी) : राजधानी दिल्ली और एनसीआर में गुरुवार सुबह से शुरू हुई तीन दिवसीय ट्रांसपोर्ट हड़ताल का असर आम जनजीवन पर साफ दिखाई देने लगा है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के नेतृत्व में 68 से अधिक ट्रांसपोर्ट और टैक्सी यूनियनों ने दिल्ली सरकार द्वारा बढ़ाए गए ग्रीन टैक्स और पर्यावरण उपकर के विरोध में चक्का जाम का ऐलान किया है। हड़ताल 23 मई तक जारी रहने की घोषणा की गई है।

ऑटो-टैक्सी, ट्रांसपोर्ट हड़ताल के चलते नई दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों के बाहर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। टैक्सी और अन्य कमर्शियल वाहनों की कमी के कारण लोग बसों और मेट्रो सेवाओं का सहारा लेने को मजबूर हैं। हालांकि ओला, उबर और ऑटो चालक इस हड़ताल में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हैं, लेकिन उन्होंने ट्रांसपोर्ट संगठनों की मांगों का समर्थन किया है।

ट्रांसपोर्टरों की मुख्य नाराजगी दिल्ली सरकार द्वारा अप्रैल से लागू किए गए नए ग्रीन टैक्स को लेकर है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में प्रवेश करने वाले हल्के कमर्शियल वाहनों और दो-एक्सल ट्रकों पर टैक्स 1,400 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति ट्रिप कर दिया गया है। वहीं तीन और चार-एक्सल ट्रकों के लिए यह शुल्क 2,600 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये प्रति ट्रिप कर दिया गया है। इसके अलावा हर वर्ष 5 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रावधान भी रखा गया है। ट्रांसपोर्ट यूनियनों का कहना है कि एमसीडी द्वारा लिया जाने वाला 1,200 रुपये प्रति ट्रिप टैक्स और बढ़ी हुई दरें मध्यम वर्गीय वाहन संचालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही हैं।

हड़ताल का असर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी पड़ सकता है। दूध, फल और सब्जियों की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि आवश्यक सेवाओं से जुड़े ट्रांसपोर्टरों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है। एआईएमटीसी ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो देशभर के करीब 16 लाख ट्रक सड़कों पर नहीं उतरेंगे। टैक्सी चालकों का कहना है कि घटते किराए और बढ़ते खर्चों के कारण उनकी आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। फिलहाल दिल्ली सरकार की ओर से इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासन ने लोगों से अगले कुछ दिनों तक सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करने और जरूरी सामान पहले से खरीदने की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री ने झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता दुर्गा सोरेन को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए स्व० दुर्गा सोरेन जी के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि स्व० दुर्गा सोरेन ने अलग झारखंड राज्य की लड़ाई और वंचितों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष की भांति आज हम सभी लोग यहां एकत्रित होकर स्व० दुर्गा सोरेन जी को याद करते है। स्व० दुर्गा सोरेन एक दूरदर्शी, संघर्षील एवं जनभावनाओं से जुड़े हुए नेता थे, उनका जीवन जन कल्याण के प्रति समर्पित रहा।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि स्व० दुर्गा सोरेन के विचार एवं आदर्श सदैव हम सभी को प्रेरित करते रहेंगे। स्व० दुर्गा सोरेन जैसे मार्गदर्शक और संघर्षील लोगों के शहादत एवं संघर्ष के बदौलत बहुत बड़ी मंजिल मिली, अलग राज्य मिला। बड़े भाई स्व० दुर्गा सोरेन जैसे कर्मठ एवं युवा नेताओं पर हम सभी को गर्व है। स्व० दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर उन्हें शत शत नमन !दुर्गा सोरेन स्मारक स्थित उनकी प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय दुर्गा सोरेन जी की पुण्यतिथि पर लोवाडीह, नामकुम स्थित दुर्गा सोरेन स्मारक स्थल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

शिक्षा समाज की चेतना और राष्ट्र की प्रगति का आधार है : राज्यपाल

रांची, (एजेंसी) : राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की चेतना एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। विश्वविद्यालय विचार, ज्ञान, अनुशासन, शोध और चरित्र निर्माण के केंद्र होते हैं। किसी भी राज्य का भविष्य उसके शिक्षण संस्थानों में ही आकार लेता है।राज्यपाल गुरुवार को रांची के चाणक्य बीएनआर होटल में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय कुलपति सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि यह सम्मेलन झारखण्ड की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रदेश में स्कूली शिक्षा की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अभी व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य का सकल नामांकन अनुपात राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है तथा उच्च शिक्षा में ड्रॉपआउट की समस्या भी गंभीर है।

गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण, समयबद्ध परीक्षाओं एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा के अभाव में बड़ी संख्या में विद्यार्थी राज्य से बाहर जाने को विवश होते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति हम सभी के लिए आत्ममंथन का विषय है।

राज्यपाल ने कहा कि अब समय केवल समस्याओं की चर्चा करने का नहीं, बल्कि समाधान और परिणाम के साथ आगे बढ़ने का है। विश्वविद्यालयों की पहचान केवल भवनों एवं परिसरों से नहीं, बल्कि उनके शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, शोध, नवाचार एवं उपलब्धियों से होती है। उन्होंने कहा कि जिस दिन झारखण्ड के विद्यार्थी यह महसूस करेंगे कि उसे बेहतर शिक्षा के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है, उस दिन हम कह सकेंगे कि हमारा प्रयास वास्तव में सफल हुआ है।राज्यपाल गंगवार ने कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सर्च कमिटी के माध्यम से की गई है और उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति केवल प्रशासक नहीं, बल्कि अकेडमिक लीडर के रूप में कार्य करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को नई गति एवं दिशा देने के उद्देश्य से ह्यझारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 2026ह्ल लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य संस्थानों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी कुलपतियों एवं विश्वविद्यालय पदाधिकारियों से नए अधिनियम का गंभीरता से अध्ययन करने का आग्रह किया।राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में अकेडमिक कैलेंडर का दृढ़ता से पालन सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि नियमित कक्षाएं संचालित हों, पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण हो तथा परीक्षाएं एवं परिणाम निर्धारित समय-सीमा में प्रकाशित किए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य किसी भी प्रकार की प्रशासनिक शिथिलता का शिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने शोध, नवाचार, कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र न बनें, बल्कि नवाचार एवं कौशल विकास के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित हों।

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स पर अकाउंट बैन

नई दिल्ली,(एजेंसी) : सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत के कॉकरोच वाले बयान के विरोध में बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का गुरुवार को एक्स पर अकाउंट बैन हो गया है। एक्स ने गुरुवार को बताया है कि उसने भारत में स्थानीय नियमों, कोर्ट के आदेश या कानूनी शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की है। फाउंडर अभिजीत दीपके ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सीजेपी के अकाउंट बैन करने की जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी के सोशल मीडिया पर 6 दिन में लाखों फॉलोअर हो गए हैं। गुरुवार दोपहर तक यह आंकड़ा इंस्टाग्राम पर 1.26 करोड़ तक पहुंच गया। इंस्टाग्राम पर बीजेपी के 87 लाख और कांग्रेस के 1.33 करोड़ फॉलोअर्स हैं। वहीं, एक्स पर 12 बजे तक पार्टी के करीब 1 लाख 93 हजार फॉलोअर्स थे, लेकिन अब एक्स ने पार्टी के अकाउंट को भारत में बैन कर दिया है। पार्टी का फेसबुक पर अकाउंट नहीं है।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का नारा है- ह्यसेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक, लेजीह्ल इसका लोगो भी

बनाया गया था। 15 मई को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सीजेआई सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। सीजेआई ने एक दिन बाद ही कहा कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा। इसके बाद यह पार्टी बनाई गई थी। पार्टी ने सदस्यता के लिए 4 योग्यताएं थीं- बेरोजगारी, आलसी होना यानी डले रहो, पड़े रहो, ऑनलाइन रहने की लत और चौथी प्रोफेशनली भड़ास निकालने की क्षमता।

पार्टी ने मैनिफेस्टो जारी किया था जिसमें अगर कॉकरोच जनता पार्टी सरकार में आती है तो रिटायरमेंट के बाद किसी भी सीजेआई को राज्यसभा जाने का रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। अगर कोई वैध वोट डिलीट किया जाएगा, तो मुख्य चुनाव आयुक्त को यूएपीए में गिरफ्तार किया जाएगा क्योंकि किसी के वोटिंग का अधिकार छीनना आतंकवाद से कम नहीं। महिलाओं के लिए 50फीसदी का आरक्षण होगा, न कि 33फीसदी का। इसके लिए सांसदों की संख्या भी नहीं बढ़ाई जाएगी। कैबिनेट में भी महिलाओं के लिए 50फीसदी आरक्षण होगा। अंबानी और अडाणी के सभी मीडिया संस्थानों के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे, ताकि वास्तव में स्वतंत्र मीडिया को जगह मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

देवासी ने थाईलैंड में एयर गन शूटिंग में जीता गोल्ड, विधानसभा अध्यक्ष ने किया सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड के जामताड़ा जिले की बेटी देवासी हेंब्रम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश का नाम रौशन किया है। थाईलैंड में आयोजित एयर गन राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए देवासी ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उनकी इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे झारखंड में खुशी और गर्व का माहौल है। गुरुवार को देवासी हेंब्रम अपने माता-पिता के साथ झारखंड विधानसभा पहुंचे, जहां विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने उन्हें सम्मानित किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड की बेटी और उनके अपने विधानसभा क्षेत्र की बेटी देवासी ने थाईलैंड में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे राज्य और देश का नाम रौशन किया है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा कभी गरीब और अमीर में फर्क नहीं करती। गांव और ग्रामीण इलाकों में आज भी कई ऐसे प्रतिभाशाली युवा हैं, जिनमें दुनिया के सामने कुछ कर दिखाने की क्षमता है। जरूरत सिर्फ उन्हें पहचानने और आगे बढ़ाने की है।

राज्यपाल से मिले विधायक व महापौर, कलस्टर सिस्टम की समस्यों से कराया अवगत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को विधायक रागिनी सिंह एवं धनबाद के महापौर संजीव सिंह ने लोकभवन, रांची में भेंट की और उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर ज्ञापन सौंपा। विधायक व महापौर ने राज्यपाल को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विवि, धनबाद अंतर्गत कॉलेजों में क्लस्टर सिस्टम के संबंध में छात्रहित एवं व्यावहारिक समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। ज्ञापन में कहा गया कि धनबाद एवं कोयलांचल क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए इस व्यवस्था के लागू होने से विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को आवागमन, समय एवं आर्थिक बोझ जैसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। विधायक ने झरिया विधानसभा क्षेत्र स्थित राजा शिव प्रसाद कॉलेज से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए भी ज्ञापन सौंपा और छात्रहित में इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : नीट पेपर लीक मामले को लेकर जिला कांग्रेस ने गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व परविंदर सिंह ने किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक की घटना ने देश के लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों का भरोसा तोड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं और सरकार को इसकी जवाबदेही लेनी चाहिए। देशभर में जितने छात्राओं ने आत्महत्या की है, इस मामले के बाद से उन छात्रों का हत्या का मामला शिक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री पर लगना चाहिए। साथ-साथ इन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

वहीं पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। उसे गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए।अगर प्रधानमंत्री में थोड़ी भी नैतिकता बची होगी, तो उन्हें भी अपने पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए।अवधेश सिंह ने बताया कि आम बागान साकची से यह जुलूस निकला, जो उपायुक्त कार्यालय पहुंचा है।प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और छात्रों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई।

शादी समारोह से लौट रहे तीन छात्रों की बाइक दुर्घटना में मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला के चैनपुर थाना स्थित आकाशी उजड़ा गांव में बुधवार की देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ जहां एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से तीन दोस्तों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। मृतकों की पहचान उजड़ा गांव निवासी 19 वर्षीय अक्षय केरकेट्टा (पिता जितेंद्र केरकेट्टा), 18 वर्षीय आर्यन टोप्पो (पिता कुलदीप टोप्पो) और 18 वर्षीय संजीत केरकेट्टा (पिता स्वर्गीय भुवनेश्वर लोहरा) के रूप में की गयी है।इनमें से अक्षय केरकेट्टा ने इसी वर्ष संत अन्ना विद्यालय से प्रथम श्रेणी में इंटर की परीक्षा पास की थी।जबकि आर्यन टोप्पो संत पात्रिक स्कूल में 11वीं का छात्र था और संजीत केरकेट्टा दो साल पहले ही मैट्रिक पास कर पढ़ाई छोड़ चुका था।घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि बुधवार की रात करीब आठ बजे तीनों दोस्त एक ही बाइक पर सवार होकर चैनपुर से एक शादी समारोह में शामिल होने के लिये गये हुए थे।घर लौटने के क्रम में डढ़गांव के समीप बाइक अचानक अनियंत्रित हो गयी और सड़क किनारे एक बड़े आम के पेड़ से जा टकरायी।टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गये और तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही चैनपुर थाना के एसआइ धर्मपाल और संतोष लुगून पुलिस बल के साथ पहुंचे और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल गुमला भेज दिया।लोगों ने बताया कि हादसे के वक्त तीनों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था।इस भीषण दुर्घटना के बाद से उजड़ा गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शव जैसे ही गांव पहुंचा मातम छा गया।

तेलंगाना से मजदूर का शव पहुंचा नारायणपुर, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी बने गरीब परिवार का सहारा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत भैयाडीह गांव निवासी स्वर्गीय रामदुलाल पंडित की तेलंगाना में मजदूरी के दौरान गिरकर गंभीर रूप से घायल होने के बाद 15 मई को दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने प्रतिनिधि अजहरुद्दीन को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।मंत्री के निर्देश पर अजहरुद्दीन ने तेलंगाना के विकाराबाद स्थित कारणकोट थाना प्रभारी से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद तेलंगाना के मुख्य सचिव एवं डीजीपी से बातचीत कर मानवीय आधार पर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया, ताकि शव को सुरक्षित रूप से मृतक के गांव नारायणपुर पहुंचाया जा सके।बताया गया कि मृतक रामदुलाल पंडित का परिवार बेहद गरीब है। परिवार में पत्नी और एक छोटा बच्चा है तथा आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि परिजन तेलंगाना तक जाने में भी असमर्थ थे। मामले की जानकारी मिलने पर पूर्व सांसद फुरकान अंसारी स्वयं गांव पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही एंबुलेंस की व्यवस्था कर परिजनों को तेलंगाना रवाना कराया गया।

हाईकोर्ट के निर्देश पर डीसी का चालियामा स्टील प्लांट निरीक्षण, सड़क सुरक्षा व स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश एवं राज्य सरकार के आदेश के आलोक में सरायकेला-खरसावाँ के उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने गुरुवार को राजनगर प्रखंड अंतर्गत रूंगटा माइन्स प्राइवेट लिमिटेड के चालियामा स्टील प्लांट, दुर्घटना संभावित स्थलों, ब्लैक स्पॉट तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चालियामा का निरीक्षण किया।इस दौरान सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, भारी वाहनों की पार्किंग व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विस्तृत समीक्षा करते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।उन्होंने चालियामा स्टील प्लांट परिसर एवं आसपास भारी वाहनों के संचालन, पार्किंग व्यवस्था, प्रतिदिन वाहनों की आवाजाही तथा बीते एक माह में हुई सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की।साथ ही विभिन्न ब्लैक स्पॉट और दुर्घटना संभावित स्थलों का स्थल निरीक्षण कर यातायात नियंत्रण एवं सुरक्षा उपायों को मजबूत करने पर जोर दिया।उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में सार्वजनिक सड़कों पर भारी वाहनों की पार्किंग नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संस्थान प्रबंधन एवं संबंधित विभागों को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने सड़क सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने, एंबुलेंस एवं फायर ब्रिगेड वाहनों को हमेशा एक्टिव मोड में रखने तथा बड़े वाहनों के लिए निर्धारित गति सीमा प्रदर्शित करने का निर्देश दिया।इसके अलावा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट, हाईमास्ट लाइट, चेतावनी संकेतक एवं दिशा-सूचक बोर्ड लगाने का भी आदेश दिया गया।सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से रूंगटा माइन्स प्राइवेट लिमिटेड को दो स्थानों पर यातायात चेक पोस्ट स्थापित करने का निर्देश दिया गया, ताकि भारी वाहनों की नियमित मॉनिटरिंग की जा सके।वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग-220 के कार्यपालक अभियंता को आवश्यक स्थलों पर रंबल स्ट्रिप, जेबरा क्रॉसिंग, चेतावनी संकेतक एवं साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए।सड़क किनारे अतिक्रमण कर बनाई गई दुकानों को हटाने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी एवं यातायात निरीक्षक को ड्रंक एंड ड्राइव जांच नियमित रूप से चलाने तथा यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटना नियंत्रण कार्यों की सतत निगरानी के लिए जिला स्तर पर टीम गठित कर नियमित औचक निरीक्षण कराने का भी निर्देश दिया गया।इसके बाद उपायुक्त ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चालियामा का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, दवा भंडारण, उपचार कक्ष, स्वच्छता व्यवस्था एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा की।उन्होंने चिकित्सकों, एएनएम एवं स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने का निर्देश दिया।साथ ही दुर्घटना एवं गंभीर मरीजों के त्वरित उपचार और रेफरल व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया।निरीक्षण एवं बैठक के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अभिनव प्रकाश, जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र रविशंकर प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, यातायात निरीक्षक राजू कुमार,थाना प्रभारी विपुल कुमार ओझा सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं औद्योगिक संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पांच हजार रुपए रिश्वत लेते विद्युत विभाग का लेखापाल गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) हजारीबाग की टीम ने गुरुवार को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल झुमरीतिलैया के लेखापाल सह सहायक को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया. आरोपी लेखापाल सुनील कुमार 46 वर्ष पिता स्व. नारायण लाल दास निवासी आईसीआईसीआई बैंक के पीछे झुमरीतिलैया एक व्यक्ति से विद्युत विभाग के कार्यालय के बाहर चाय दुकान के पास रिश्वत ले रहा था। इस दौरान पहले से जाल बिछाकर तैयार एसीबी की टीम ने उसे धर दबोचा।एसीबी अधिकारी के अनुसार चौधरीडीह सपही डोमचांच निवासी राजु कुमार यादव पिता बासुदेव यादव पहले निरू पडाही के पास ईट प्लांट चलाते थे।इसके लिए उन्होंने 10 अक्टूबर 2023 को नेरपुर स्थित विद्युत कार्यालय डोमचांच से विद्युत कनेक्शन लिया था।ईंट प्लांट का काम बंद हो जाने के कारण उक्त बिजली कनेक्शन बंद करवाने एवं बकाया बिल को पहले जमा किये गये सिक्यूरिटी मनी से काटने को लेकर इन्होंने 9 जुलाई 2025 को कार्यपालक अभियंता कार्यालय विद्युत आपूर्ति प्रमंडल झुमरीतिलैया में आवेदन दिया। उक्त आवेदन को विद्युत कार्यालय डोमचांच के जेई को भेजा गया।इसके आलोक में विद्युत कार्यालय डोमचांच के जेई के द्वारा उक्त बिजली कनेक्शन बंद करके पुनः कार्यपालक अभियंता कार्यालय को भेजा गया। सिक्युरिटी मनी रिफंड करने के लिए जब राजु यादव लेखापाल सुनिल से मिले तो बोला गया कि सिक्युरिटी मनी रिफंड करने के लिए प्रतिवेदन रांची भेजना पड़ता है। अगर सिक्युरिटी मनी रिफंड लेना है तो प्रतिवेदन रांची भेजने के लिए 15 हजार रुपये देना होगा। परिवादी रिश्चत देना नहीं चाहते थे।ऐसे में उन्होंने एसीबी से संपर्क किया. जांच में रिश्वत मांगने का आरोप सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग थाना कांड संख्या 4/26 द र्ज किया गया। इसके बाद गठित ट्रैप टीम के द्वारा गुरुवार को आरोपी लेखापाल सुनील कुमार को रंगेहाथ रिश्वत लेते पकड़ा गया। बताया जाता है कि आरोपी सुनील कुमार विद्युत विभाग में बिल सुधार मामले को देखता है। वह विभाग में लाइन मैन है, पर उसके जिम्मे लेखापाल सह सहायक का काम था।

छत्तरपुर नगर पंचायत कार्यालय का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण, ट्रैफिक व्यवस्था व शहरी विकास को लेकर दिए कई निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने गुरुवार को छत्तरपुर नगर पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पंचायत कार्यालय की कार्यप्रणाली, राजस्व संग्रह व्यवस्था एवं नागरिक सुविधाओं से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सर्वप्रथम होल्डिंग टैक्स कटने की पूरी प्रक्रिया का विस्तार से अवलोकन किया तथा संबंधित कर्मियों से प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि होल्डिंग टैक्स निर्धारण एवं संग्रहण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सरल होनी चाहिए ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।इसके पश्चात उपायुक्त ने नगर पंचायत कार्यालय में बैठक कर छत्तरपुर अनुमंडल पदाधिकारी विजय केरकेट्टा, फैजूर रहमान एवं नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद गुप्ता के साथ नगर क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में साफ-सफाई, ट्रैफिक प्रबंधन, बाजार क्षेत्र की व्यवस्था, सड़क किनारे अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी एवं नगर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण जैसे विषयों पर विस्तार से विमर्श किया गया।इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने सरईडीह मोड़ एवं जपला मोड़ पर लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए समर्पित रूप से दो पुलिस जवानों की तैनाती की मांग उपायुक्त के समक्ष रखी। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष कार्यालय के लिए पृथक भवन निर्माण की आवश्यकता भी रखी गई, ताकि जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके। इस पर उपायुक्त ने प्रस्ताव तैयार कर आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।ऑटो स्टैंड की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि नगर क्षेत्र में उपयुक्त भूमि चिन्हित कर व्यवस्थित ऑटो स्टैंड विकसित करने की दिशा में शीघ्र कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि इससे सड़क जाम की समस्या कम होगी और यातायात व्यवस्था सुगम बनेगी।उपायुक्त ने नगर पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं आधुनिक नगर के रूप में विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने नियमित साफ-सफाई अभियान चलाने, सार्वजनिक स्थलों पर कचरा निष्पादन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने, मुख्य चौक-चौराहों पर प्रकाश व्यवस्था मजबूत करने तथा नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने का निर्देश दिया।

राज्य बनने के बाद पहली बार एक साथ 27 नक्सलियों ने एक साथ किया समर्पण,आठ नक्सलियों पर था तैंतीस लाख का इनाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्य गठन के बाद गुरुवार को पहली बार 25 से अधिक नक्सलियों ने हथियारों की बड़ी खेप के साथ आत्म समर्पण किया है। रांची के धुर्वा स्थित पुलिस मुख्यालय में भाकपा माओवादी के 25 नक्सली और उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के दो सदस्यों ने राज्य के पुलिस महानिदेशक तदासा मिश्र, सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह और पुलिस मुख्यालय के एडीजी ऑपरेशन मनोज कौशिक समेत कई वरीय पुलिस अधिकारियों के समक्ष नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। नक्सली गतिविधियों को छोड़ समाज की मुख्य धारा में जुड़ने पर पुलिस मुख्यालय की ओर से आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया गया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने भारी संख्या में हथियार और कारतूस भी पुलिस को सौंपे हैं।आत्मसमर्पण करने वालों में 25 भाकपा (माओवादी) और 2 जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के सदस्य हैं। इनमें आठ नक्सलियों पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन सभी के खिलाफ कुल 426 मामले दर्ज हैं।सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस और खुफिया विभाग का प्रयास अब जमीन पर दिख रहा है। पिछले एक महीने से सारंडा में सक्रिय दो दर्जन से ज्यादा नक्सली हथियार के साथ जंगल से निकलने का प्रयास कर रहे थे, जिसे सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षित जंगल से बाहर निकाल लिया है।पुलिस मुख्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में सभी नक्सली एक साथ आधिकारिक रूप से सरेंडर कर दिया। आत्मसमर्पण के साथ-साथ नक्सलियों ने आधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी पुलिस को सौंपा है जिनमें लाइट मशीन गन,5 इंसास राइफल, 9 एसएलआर राइफल, 1 बोल्ट एक्शन राइफल, 1 पिस्टल, 31 मैगजीन, 3000 राउंड जिंदा कारतूस शामिल हैं।इस मौके पर राज्य की पुलिस महानिदेशक तदासा मिश्र ने आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों का स्वागत किया। उन्होंने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के परिवारों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि आगे भी उनका ख्याल रखा जाएगा। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि आज और इससे पहले आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की मांगों को पूरा करने की दिशा में कार्यवाही की जाएगी। नक्सल अभियान में पुलिस द्वारा अब तक की लड़ाई में दिए गए बलिदान को भी पुलिस महानिदेशक ने याद किया।इस मौके पर एडीजी ऑपरेशन मनोज कौशिक ने आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों और उनके परिजनों को पुलिस मुख्यालय की ओर से शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की ओर से चलाए जा रहे हैं आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का लाभ उठाकर नक्सलियों ने मुख्य धारा से जुड़ने का कदम उठाया है। इस कार्य के लिए आत्म समर्पण करने वाले नक्सली और उनके परिजन बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम के दौरान मनोज कौशिक ने झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर, कोबरा बटालियन और सीआरपीएफ के शहीद उन जवानों को भी नमन किया जिन्होंने झारखंड के शांति बहाली की दिशा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

डीसी की पहल पर दिव्यांग को ऑन स्पॉट मिली ट्राई साइकिल, लापरवाही पर कई कर्मियों एवं पंचायत सचिवों को शोकॉज

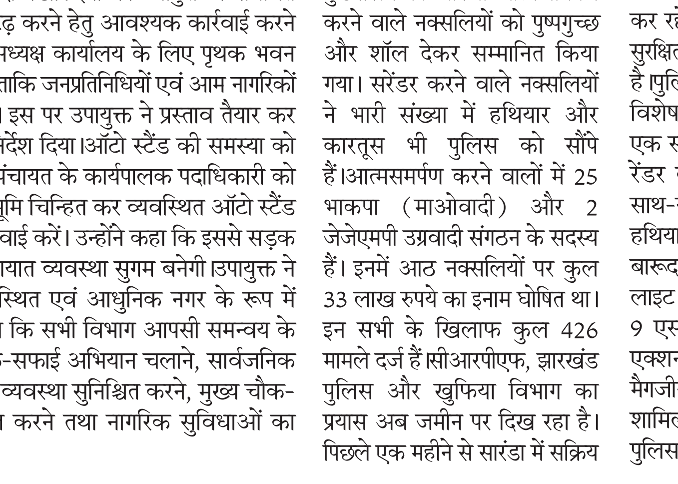

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत गुरुवार को औचक निरीक्षण के तहत छत्तरपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचे। निरीक्षण के दौरान बीडीओ सह सीओ कार्यालय में उपस्थित नहीं पाए गए। जानकारी दी गई कि वे मुनकेरी गांव में आंगनबाड़ी सेविका चयन कार्य हेतु गए हुए हैं।कार्यालय पहुंचने के बाद उपायुक्त सीधे अंचल अधिकारी कक्ष में पहुंचे और वहां मौजूद आमजनों से स्वयं मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुननी शुरू की। इस दौरान 10 से अधिक ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से उन्हें अवगत कराया।जनसुनवाई के दौरान एक लगभग 70 वर्षीय वृद्ध लाठी के सहारे कार्यालय पहुंचे। वृद्ध चलने में असहज महसूस कर रहे थे और लड़खड़ाते हुए अपनी समस्या बताने पहुंचे थे। यह देखकर उपायुक्त श्री शेखावत स्वयं आगे बढ़े, उन्होंने वृद्ध को सहारा देकर बैठाया और पूरे धैर्य एवं संवेदनशीलता के साथ उनकी बात सुनी।वृद्ध ने आपसी बंटवारे से संबंधित अपनी शिकायत उपायुक्त के समक्ष रखी। आवेदन प्राप्त करने के बाद उपायुक्त ने संबंधित अंचलाधिकारी को मामले में आवश्यक एवं उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इसी क्रम में कउल के दिनदाग गांव से आए दिव्यांग उपेंद्र यादव ने उपायुक्त को बताया कि उन्हें ट्राई साइकिल की आवश्यकता है, लेकिन सीओ की अनुपस्थिति के कारण उन्हें आशंका थी कि आज भी उन्हें बिना सहायता के लौटना पड़ेगा।इस पर उपायुक्त श्री शेखावत ने तत्काल मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए कहा कि "आपको निराश होने की जरूरत नहीं है, आज आप अपने साथ ट्राई साइकिल लेकर ही जाएंगे।" उपायुक्त के निर्देश पर तत्काल प्रक्रिया पूरी करते हुए उपेंद्र यादव को ऑन स्पॉट ट्राई साइकिल उपलब्ध करा दी गई। अचानक मिली इस सहायता से उपेंद्र यादव के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी।इसके बाद उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड एवं अंचल कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान कार्यालय अवधि में अनुपस्थित पाए गए कर्मियों से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया।समीक्षा के दौरान अबुआ आवास योजना अंतर्गत हुटुकदाग एवं मड़वा पंचायत में प्लिंथ जियोटैग लंबित पाए जाने पर संबंधित पंचायत सचिव को शोकॉज किया गया।वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना में प्लिंथ जियोटैग लंबित रहने के कारण खोरही, पिन्द्राही एवं बगैया पंचायत के पंचायत सचिवों को भी शोकॉज जारी करने का निर्देश दिया गया।इसी तरह कार्य में लापरवाही को लेकर मनरेगा बीपीओ से भी स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया गया।बैठक के दौरान उपायुक्त ने राजस्व कर्मचारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि बिना वाजिब कारण आमजनों को कार्यालयों का चक्कर लगवाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

महिला पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का प्रशिक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू समाहरणालय के ए ब्लॉक स्थित न्यू सभागार में एकदिवसीय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत जिले की सभी महिला पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इस योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को संतान के जन्म से पूर्व एवं पश्चात पर्याप्त आराम सुनिश्चित करने हेतु मजदूरी हानि की आंशिक भरपाई के रूप में नगद प्रोत्साहन उपलब्ध कराना है। साथ ही, यह योजना महिलाओं में स्वास्थ्य सेवाओं को अपनाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है तथा दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान कर बालिका के प्रति सकारात्मक सामाजिक व्यवहार को प्रोत्साहित करती है।योजना के अंतर्गत मिशन शक्ति के तहत 18 वर्ष 7 माह से 55 वर्ष तक की सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित वर्गों की गर्भवती महिलाएं एवं धात्री माताएं लक्षित लाभार्थी हैं।योजना के तहत प्रथम गर्भधारण पर कुल 5000 रुपए की राशि दो किस्तों में प्रदान की जाती है, जिसमें पहली किस्त 3000 रुपए प्रथम एएनसी के बाद तथा दूसरी किस्त 2000 रुपए बच्चे के जन्म के 14 सप्ताह पश्चात दी जाती है। वहीं, दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर 6000 रुपए की एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नए लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित करना, पीएमएमवीवाई डुप्लिकेट मामलों को समाप्त करना, एनपीसीआई से अपंजीकृत लाभार्थियों को जोड़कर डीबीटी के माध्यम से लाभ प्रदान करना तथा फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम के माध्यम से लाभार्थियों का सत्यापन एवं प्रविष्टि सुनिश्चित करना रहा।प्रशिक्षण में राज्य स्तर से सुमित कुमार तथा जिला स्तर से श्रीमती एकता नाथ (महिला पर्यवेक्षिका) एवं अनूप कुमार शर्मा (जिला समन्वयक, पोषण अभियान) ने मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पलामू नीता चौहान सहित जिले की सभी महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित रहीं।प्रशिक्षण के उपरांत सभी महिला पर्यवेक्षकों को अपने-अपने परियोजना क्षेत्र में आंगनबाड़ी सेविकाओं को भी प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

कोयला भवन में सीएमसी की ओर से वेंडर्स मीट का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयला भवन में गुरुवार को बीसीसीएल के कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सेल (सीएमसी) विभाग ने वेंडर्स मीट का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बीसीसीएल और वेंडर्स/संविदाकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं पर चर्चा करना तथा संविदा प्रबंधन से जुड़े नए प्रावधानों और दिशानिर्देशों की जानकारी देना था। विभागाध्यक्ष (सीएमसी) विक्रम कुमार, बीसीसीएल के इंडिपेंडेंट एक्सटर्नल मॉनिटर्स अरविंद कुमार कादयान एवं अमृत लुगुन सहित सीएमसी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में धनबाद एवं आसपास के क्षेत्रों से लगभग 60 वेंडर्स, उनके प्रतिनिधियों और संविदाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सीएमसी विभाग द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से बीसीसीएल की प्रोक्योरमेंट प्रणाली और उसमें पारदर्शिता संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। बताया गया कि बीसीसीएल की निविदाएं देशभर के बोलीदाताओं के लिए खुली रहती हैं तथा प्री-बिड स्पष्टीकरण और उसके उत्तर सभी प्रतिभागियों के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं। जेम पोर्टल पर दस्तावेज, तकनीकी मूल्यांकन परिणामों और मूल्य प्रस्तावों की उपलब्धता, आरटीआई प्रावधान तथा बीसीसीएल एवं कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट पर कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट मैनुअल्स की जानकारी भी साझा की गई। बैठक में जेम पोर्टल की नई सुविधाओं जैसे आईपी एड्रेस मॉनिटरिंग, ऑटो एक्सटेंशन ऑफ बिड, एमएसई स्टेटस का ऑटो वेरिफिकेशन तथा बिड रिप्रेजेंटेशन और क्लैरिफिकेशन की समयसीमा पर चर्चा की गई। जेवी कंसोर्टियम से जुड़े प्रमुख प्रावधानों की भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम में निविदा दस्तावेज में हाल में किए गए संशोधनों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसमें वर्किंग कैपिटल दस्तावेज, विवाद समाधान व्यवस्था, अतिरिक्त परफॉर्मेंस सिक्योरिटी, कार्य अनुभव मानदंड, ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस, परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव तथा डीजल मूल्य वृद्धि से संबंधित अंतरिम उपायों की जानकारी दी गई।सीएमसी विभाग ने प्रतिभागियों को निविदा प्रक्रिया में होने वाली सामान्य त्रुटियों के प्रति भी जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान वेंडर्स ने अपनी जिज्ञासाएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे तथा विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। समापन सत्र में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजयी प्रतिभागियों एवं कंपनियों के प्रतिनिधियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

संक्षिप्त खबरें

सीएफआरआई डीएवी मॉडल स्कूल में समर कैंप आयोजित, 300 छात्रों ने लिया भाग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई में 18 मई से 22 मई 2026 तक साप्ताहिक समर कैंप का भव्य आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस कैंप में स्कूल के सभी वर्गों के 300 छात्र छात्राओं ने विभिन्न खेलों और गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में स्कूल की प्राचार्या श्रीमती महुआ सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि समर कैंप से बच्चों में उत्साह और उमंग जन्म लेती है, जिससे वे हमेशा ऊजार्वान दिखते हैं। यह व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और रचनात्मकता का विकास करते हैं। साथ ही पढ़ाई का तनाव भी कम होता है। प्राचार्या ने विद्यार्थियों को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस समर कैंप के अंतर्गत बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कराटे, वुशु, खो-खो जैसे विभिन्न खेलों के साथ चित्रकारी प्रतियोगिता और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ इन गतिविधियों में सहभागिता निभाई। इस समर कैंप में प्रशिक्षक के रूप में संतोष सिंह, ए डी प्रसाद, कुमकुम चक्रवर्ती और सोनू कुमार ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं चित्रकारी में ए सी दास ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया। सभी प्रशिक्षकों ने समर कैंप के सफल संचालन में सराहनीय योगदान दिया।

केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान से रामानंदन पासवान मिले व बीसीसीएल में भ्रष्टाचार की शिकायत की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः लोजपा के पूर्व जिला महानगर अध्यक्ष रामानंदन पासवान ने गुरुवार को दिल्ली स्थित मंत्रालय में पार्टी सुप्रीमो सह मंत्री चिराग पासवान से मिलकर लोदना में हो रहे विस्थापन में घोर अनियमितता और एकीकृत जयरामपुर के अधिकारी और धौड़ा के लोगो की मिलीभगत से होने वाली भ्रष्टाचार से अवगत कराया।श्री पासवान ने मंत्री को एक पत्र सौंपते हुए कहा कि लोदना में प्रबंधन के सांठगांठ से एक- एक लोगों को दस-दस आवास दिए गए है।आधार कार्ड एडिट करके बाहरी लोगो को बेलगढिया और कमाटॉंड में आवास आवंटित किए गए है। लोगों से मुद्रा मोचन करके आवास दी जा रही है। वहीं कर्मी भले ही फायर जोन में क्यों न रह रहे हो,उन्हें आवास नहीं मिलता है।इसपर मंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि कोयला मंत्री से मिलकर धनबाद और झरिया के लोगो की बातों को रखा जाएगा।

जयरामपुर बिजली हाउस पर दर्जनों नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोल केबुल लूट ले गए

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बुधवार की रात लगभग 2 बजे जयरामपुर स्थित 5 नम्बर चानक के बिजली हाउस में 15 से 20 की संख्या में नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोलकर लगभग 50 मीटर केबुल काट कर ले गये। केबल कटने से गुरुवार को पुरा जयरामपुर कोलियरी का पानी सप्लाई बंद रहा। प्रबंधन को कोलियरी के कर्मियों के द्वारा देर रात को सूचित कर दिया गया था, प्रबंधन ने रीजनल स्टोर से गुरुवार को केबुल लाकर बिजली बहाल की गई।इधर जयरामपुर प्रबंधन ने अलकडीहा ओपी में लिखीत शिकायत की है। कर्मियों ने बताया कि अपराधी हथियारों से लैस थे, यहां सुरक्षा की कोई खास व्यवस्था नहीं थी।जिसके कारण अपराधी केबुल काट ले गए। केबूल कटने से रात से ही पीट वाटर की सप्लाई बंद रही। जिससे इस भीषण गर्मी में लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले भी वहां से केबुल काटा गया था, जिसके कारण एक पम्प पहले से ही बन्द है। लोगों में चर्चा है कि पानी और बिजली काटी जाए ताकि लोग यहां से जल्द से जल्द अपने हट जाए और आउटसोर्सिंग प्रबंधक को काम करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

रेलवे यार्ड में गांजा तस्करी का खुलासा, दो गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद पुलिस और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में रेलवे यार्ड से गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। धनसार थाना क्षेत्र के काठपुल बरमसिया स्थित रेलवे यार्ड में खड़ी गंगा-सतलज ट्रेन के जरिए अवैध गांजा बाहर भेजे जाने की गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से करीब पांच किलो गांजा और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। वहीं एक आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा।इस संबंध में गुरुवार को धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते बुधवार रात करीब 8 बजकर 20 मिनट पर पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक मोटरसाइकिल से गांजा लेकर रेलवे यार्ड पहुंचे हैं और गंगा सतलज ट्रेन के माध्यम से उसकी तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही धनसार थाना की गश्ती टीम और आरपीएफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए काठपुल रेलवे यार्ड के पास घेराबंदी की।

बिजली - पानी संकट से आक्रोशित जनता उतरी सड़क पर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बिजली और पानी की समस्या को लेकर कतरास तथा आस पास के इलाके में गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दी। चैतुडीह कोलियरी कार्यालय के समीप लकड़का चार व पांच नंबर के लोगों ने छाताबाद- मालकेरा सड़क जाम कर दी। वार्ड संख्या पांच की पार्षद निरूपमा देवी के नेतृत्व में बिजली व पानी की समस्या के विरोध में प्रदर्शन किया फिर सड़क के बीचोंबीच धरना पर बैठ गए। बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की गई। तीन घंटे के बाद कतरास थाना प्रभारी प्रवीण कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर कर शांत कराया। चैतुडीह कोलियरी कार्यालय परिसर में पीओ इलियास अंसारी को बुलाया गया और ग्रामीणों के साथ वार्ता की। पीओ ने अतिशीघ्र ट्रांसफार्मर की मरम्मत कराने का आश्वासन दिया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि आप लोगों का सहयोग चाहिए। जो व्यक्ति बिजली को व्यवसायिक तौर पर उपयोग करते हैं, उनका बिजली का संयोग काटा जाएगा। तभी बिजली की समस्या में सुधार हो पाएगी। इधर पार्षद निरुपमा देवी ने बताया कि लकड़का चार नंबर और छाताबाद पांच नंबर के करीब दो हजार की आबादी के बीच एक सप्ताह से बिजली व पानी की समस्या है। आखिर लोग कहां जायेंगे। अगर समस्या का निदान नहीं होता है तो हमलोग फिर आंदोलन पर उतरेंगे। पंचगढ़ी बाजार के गद्दी मोहल्ला के लोगों ने कतरास -धनबाद सड़क देवी मंदिर के समीप जाम कर दी और धरना पर बैठ गए। कमला कुमारी के नेतृत्व में सड़क जाम किया गया। वाहनों की लंबी कतार लग गई। एंबुलेंस व स्कूल वाहनों को छोड़ सभी गाड़ियां जाम में फंसी रही। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे और सभी समझा बुझाकर कर हटाया। कमला कुमारी ने बताया कि चार दिनों से बिजली की समस्या थी। विभाग को जानकारी देने के बावजूद किसी ने ध्यान नहीं दिया। आज मेरी ही बेटी की तबीयत बिगड़ गई। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। करीब तीन घंटे के बाद सड़क जाम हटा। मौके पर राकेश केशरी,सूरज शर्मा, दीपक सोनी, बबलू विश्वकर्मा, धीरज गुप्ता, चंदन केशरी, अनिकेत गुप्ता, रवि विश्वकर्मा, रैशव गुप्ता आदि शामिल थे।

कांग्रेसियों ने पुण्यतिथि पर राजीव गांधी को किया याद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कांग्रेसियों ने पुण्यतिथि पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को याद किया। उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दुहराया। कांग्रेसी गांधी सेवा सदन में जुटे। पार्टी की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया ।वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके त्याग और बलिदान को याद किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आज हम यहां श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ उनके बताए मार्गों पर चलने का संकल्प लेते हैं। राजीव गांधी ने आधुनिक भारत, पंचायती राज और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जो योगदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर राजेश्वर सिंह यादव, मनोज सिंह, वैभव सिन्हा, अनिल साव, मोइन अंसारी, अनवर शमीम, प्रसाद निधि, संजय जायसवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

विभाग ने चलाया प्लास्टिक मुक्त स्टेशन अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के सातवें दिन धनबाद मंडल के रेलवे स्टेशनों पर रेलवे प्रशासन एवं आईआरसीटीसी ने विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अधिकारियों की टीम ने स्टेशन परिसर में संचालित विभिन्न खान-पान स्टालों का निरीक्षण कर वेंडर्स एवं स्टाल संचालकों से सीधे संवाद स्थापित किया। उन्हें प्लास्टिक के चम्मच, कांटे, ग्लास, प्लेट एवं अन्य डिस्पोजेबल सामग्री के स्थान पर लकड़ी, बांस, गन्ने की खोई (बगास) तथा मिट्टी से निर्मित इको-फ्रेंडली कटलरी एवं कुल्हड़ों के उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य स्टेशन परिसर स्थित सभी आईआरसीटीसी वेंडर्स, फूड प्लाजा एवं खान-पान स्टालों पर सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को पूर्णतः समाप्त कर पर्यावरण-अनुकूल कटलरी के उपयोग को प्रोत्साहित करना था। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर्यावरण प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है, जो मानव स्वास्थ्य एवं प्राकृतिक संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है

क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट का दिया प्रशिक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले के सभी निजी हॉस्पिटल, क्लिनिक, नर्सिंग होम का शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन करने के लिए गुरुवार को क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट का प्रशिक्षण दिया गया। समाहरणालय के सभागार में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, एमओआईसी एवं पुलिस पदाधिकारी इसमें मौजूद थे। सभी को क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। रांची से आए क्लिनिकल कंसलटेंट मुकेश कुमार ने पंजीकरण प्रक्रिया, कानूनी आवश्यकताएँ, निरीक्षण और अनुपालन की जानकारी दी। इस अवसर पर अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने कहा कि जिले के सभी हॉस्पिटल, क्लिनिक, नर्सिंग होम में क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट का पालन कराना है। लाइसेंस की वैधता समाप्त होने से पूर्व संस्थान को सूचित भी करना है। संस्थान के प्रमुख स्थान पर पंजीकरण प्रमाण पत्र, फायर सेμटी उपकरण, डॉक्टरों और कर्मचारियों की सूची भी देनी है। सेवाओं और प्रक्रियाओं की दर सूची, उपलब्ध सेवाएं, सुविधाएं और बेड की संख्या, नागरिक चार्टर और रोगी अधिकार, शिकायत निवारण संपर्क विवरणी, आपातकालीन संपर्क नंबर, उपलब्ध दवाओं की सूची, बायो मेडिकल वेस्ट और सुरक्षा अनुपालन संबंधी जानकारी स्पष्ट रूप से लिखी होनी चाहिए। नियमों का पालन न करने पर संस्थान को नोटिस जारी करें। नियमों का लगातार उल्लंघन करने पर जुमार्ना लगाए। गंभीर उल्लंघनों के मामले में प्रतिष्ठान को सील करने की कार्रवाई करें। अनुमंडल दंडाधिकारी ने विशेष रूप से मेडिकल स्टोर के आसपास के क्लिनिको के लाइसेंस की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रखंड स्तर पर भी क्लिनिकों के लाइसेंस की जांच करने को कहा। प्रशिक्षण में सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सचिव डॉक्टर इंदर सिंह नामधारी, डीआरसीएचओ डॉ रोहित गौतम, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, आयुष पदाधिकारी कुमकुम कुमारी, डिस्ट्रिक्ट डाटा मैनेजर सीमा कुमारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी एमओआईसी, विभिन्न थाना प्रभारी सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

बाघमारा की दशा और दिशा बदल देंगे : सिद्धार्थ गौतम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा की राजनीति में एक बार फिर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। सिंह मेंशन से जुड़े व जनता मजदूर संघ (जमसं) के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम ने अपनी गतिविधियां बाघमारा में बढ़ा दी है। उन्होंने गुरुवार को माटीगढ़ा में जमसं के क्षेत्रीय कार्यालय में मजदूरों एवं कार्यकताओं के साथ बैठक की। इसमें स्थानीय जनसमस्याओं पर विचार- विमर्श किया ।बाघमारा दुर्गा मंदिर स्थित 'मां संध्या निवास' पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। बरोरा क्षेत्रीय शाखा सचिव सोनू सिंह के नेतृत्व में मजदूरों और कार्यकताओं ने सिद्धार्थ गौतम का स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि बाघमारा की दशा और दिशा बदलने के लिए सिंह मेंशन ने कमर कस ली है। बाघमारा से लगातार लोगों की शिकायतें मिल रही हैं। कोलियरी में रंगदारी और वर्चस्व के चलते स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। यहां के 'माननीय' के डर और भय के कारण डीओ धारकों ने डीओ लगाना बेहद कम कर दिया है। सीधे तौर पर रोजगार खत्म हो रहा है। पलायन अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगा है। सिद्धार्थ गौतम ने कार्यकताओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि बड़े भाई संजीव सिंह के मेयर बनने से क्षेत्र की व्यवस्था को सुधारने की शुरूआत हो चुकी है। इसमें थोड़ा वक्त जरूर लगेगा, लेकिन जमसं कार्यकताओं और आम जनता की भावनाओं को देखते हुए जल्द ही इस अव्यवस्था पर काबू पा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव के परिणामों ने समर्थकों में एक नया उत्साह और ऊर्जा भरा है। शिकायतों व समस्याओं के निवारण के लिए सिंह मेंशन के दरवाजे चौबीसों घंटे खुले हैं। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल मिश्रा, इंद्रासन यादव, सोनू सिंह, विकास सिंह, मंगल हेम्ब्रम, धनेश्वर ठाकुर, सूर्यबली साव, गणेश सिंह, महेश श्रीवास्तव, कटी दास, मिथलेश सिंह, ढालचन्द महतो, अमित कुमार सिंह, दीपक कुमार रवि, निरंजन कुमार रजक, प्रकुल कुमार सिंह, नरेन्द्र कुमार सिंह, रवि कुमार, अजय कुमार, राज कुमार चौहान, शिशु पाल साव, दीपक कुमार रवानी, बालगोविन्द नोनिया, अरविन्द कुमार, राजेश कुमार, आर्यन कुमार बाउरी, सुभाष कुमार, सूरज कुमार, रिकि सिंह, कुणाल सिंह, टिलु सिंह, उमाशंकर सिंह, अमरनाथ मंडल, मुकेश रवानी, सुरेन्द्र महतो, तुलसी महतो, विशाल सिंह, उमेश सिंह, बैजनाथ सिंह, सोमनाथ सिंह, सहित भारी संख्या में स्थानीय मजदूर और प्रबुद्ध नागरिक मौजूद थे।

राकोमयू कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 35 वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के आवासीय कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की कार्यकारी अध्यक्ष सह कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह के निदेर्शानुसार सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। सभा की अध्यक्षता सतपाल सिंह ब्रोका ने की। जबकि संचालन किशोर कुमार ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं और नेताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत कर गांवों और आम जनता को अधिकार दिलाने का कार्य किया। पंजाब, असम और मिजोरम शांति समझौतों के माध्यम से देश में एकता और शांति स्थापित करने का प्रयास किया। उनका सपना आधुनिक, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का था। आज उनकी सोच और उनके कार्य देश के विकास में स्पष्ट दिखाई देते हैं। सभा में उपस्थित नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण, कंप्यूटर एवं दूरसंचार क्रांति, युवाओं को मताधिकार, पंचायत राज व्यवस्था को सशक्त करने तथा शिक्षा और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने वाले दूरदर्शी नेता थे। सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा देश की एकता, लोकतंत्र और विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संतोष महतो, भगवान दास, सतपाल सिंह ब्रोका, कहीरालाल, फैज अहमद, हरिराम, गौतम पासवान, शैलेंद्र सिंह, राजू कुमार गिरी, बंधन चौबे, दीपक सिंह, सिद्धार्थ शंकर मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, जनेश्वर चौबे, अरुण कुमार, परमेश्वर यादव, नमिता दास, पिंकी देवी, मीना देवी, रेणु देवी, बसंती देवी, रूबी देवी, भानुमति देवी, मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, विक्की चौबे, अंशु चौबे, संदीप रावत, जितेंद्र यादव, अफताब आलम समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विवाहिता की संदेहास्पद मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सतडीहा पंचायत के ग्राम नवादा में एक विवाहिता की संदेहास्पद मौत हो गयी। मृतका की पहचान नवादा निवासी अजीत यादव की 23 वर्षीय पत्नी कोशिला कुमारी के रूप में की गई है।घटना की सूचना मिलते ही उसके मायके वाले नवादा पहुंचे और जमकर हंगामा किया। उनका कहना था कि कोशिला की ससुराल वालों ने दहेज के लिए एक सोची समझी साजिश के तहत हत्या कर दी है।जानकारी के मुताबिक चार दिन पूर्व घर में सास बहू के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी से आक्रोशित कोशिला ने फांसी लगा ली।पुलिस मामले की जांच कर रही है।फिलहाल मृतका के ससुरालवाले घर से फरार बताये जाते हैं।

कोशिला को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित किया जाता था। इस संबंध में मृतका के पिता कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत सलैया निवासी सुदन यादव ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री की शादी वर्ष 2025 में 28 मई को नवादा निवासी अजीत यादव के साथ की थी। शादी में लगभग 8.5 लाख रुपए व अन्य उपहार दहेज में दिया था।शादी के बाद से ही कम दहेज को लेकर उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित किया जा रहा था। मृतका को एक दो माह का बच्चा भी है, जिससे उसकी ममता छीन गयी। श्री यादव ने दहेज हत्या का मामला बताते हुए परिजनों के साथ उसके घर पर जमकर बवाल किया।मौके पर पहुंचे एसआई प्रतित टोपनो व केडी प्रसाद यादव ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।उन्होंने कहा कि मामले की सघन जांच की जा रही है, आने वाले आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पुण्यतिथि पर याद किए गए राजीव गांधी, मंत्री दीपिका ने उनके योगदान को सराहा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
रांची : देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर गुरुवार को कांग्रेस ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस कड़ी में रांची के धुर्वा स्थित भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा पर उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उनके योगदान को याद करते हुए कहा गया कि राजीव गांधी ने वर्षों पहले ही इक्कीसवीं सदी के भारत की दूरदर्शी परिकल्पना कर ली थी।मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कहा कि युवाओं को मतदान का अधिकार देने और महिलाओं को पंचायती राज एवं शहरी निकायों में आरक्षण दिलाने जैसे ऐतिहासिक कदमों की मजबूत नींव राजीव गांधी ने रखी थी।उन्होंने लोकतंत्र को गांव-गांव तक मजबूत करने और समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया।राजीव गांधी ने युवाओं को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का काम किया और आधुनिक भारत की सोच को नई दिशा दी।उपस्थित लोगों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके सपनों के भारत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

लू और तेज गर्मी से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क, अस्पतालों को निर्देश जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
रांची : झारखंड में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य के सरकारी अस्पतालों, सदर अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी तैयारी सुनिश्चित की जा रही है।उन्होंने बताया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयों, ओ आर एस और मेडिकल टीमों की उपलब्धता बनाए रखने को कहा गया है, ताकि गर्मी और लू से प्रभावित मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके।स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।उन्होंने खासकर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचने की सलाह दी।उन्होंने कहा कि लोग अधिक मात्रा में पानी, ओ आर एस, नींबू पानी और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें. साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें।डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को चक्कर, तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी या बेहोशी जैसी समस्या महसूस हो, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।उन्होंने कहा कि थोड़ी सावधानी बरतकर गर्मी और लू से होने वाली गंभीर परेशानियों से बचा जा सकता है।

कांग्रेस ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि को शहादत व ऊर्जा दिवस के रूप में मनाया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
रांची : प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि को शहादत दिवस और ऊर्जा दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में कंप्यूटर क्रांति, 18 वर्ष के युवाओं को मताधिकार और पंचायती राज में महिलाओं को आरक्षण देने जैसे निर्णयों ने देश की तकदीर बदल दी। वक्ताओं ने झारखंड आंदोलन से उनके जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि गुमला और खूंटी की सभाओं में उन्होंने ही सबसे पहले माना था कि अलग राज्य के बिना आदिवासियों का विकास संभव नहीं है। श्रद्धांजलि देने वालों में राकेश सिन्हा, रविंद्र सिंह, विनय सिन्हा दीपू, दयामनी बारला, अभिलाष साहू, राजीव रंजन प्रसाद, लाल किशोर शाहदेव, सोनाल शांति, आदित्य विक्रम जायसवाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

एसआईआर के तहत बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे सत्यापन,एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेगा : के. रवि कुमार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया 20 जून से शुरू की जा रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक घर तक संबंधित मतदान केंद्र क्षेत्र के बीएलओ पहुंचकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी निर्वाचन सदन से मीडिया के प्रतिनिधियों हेतु आयोजित एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम एवं प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। के रवि कुमार ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में 20 जून से 29 जून तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं आवश्यक मुद्रण कार्य किए जाएंगे। इसके बाद 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे और सत्यापन करेंगे जिसके बाद प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त को होगा। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। नोटिस पीरियड तथा दावों और आपत्तियों के निस्तारण की प्रक्रिया 3 अक्टूबर तक चलेगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 अक्टूबर को किया जाएगा। इस विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि 1 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में नए मतदाताओं के आवेदन दावा एवं आपत्तियां दर्ज करने के क्रम में बीएलओ द्वारा घर घर जाकर संकलित किए जाएंगे। जिन मतदाताओं से बीएलओ का संपर्क नहीं हो पाएगा, उनके लिए विशेष कैंप भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी मतदाता का नाम बिना सुनवाई के सूची से नहीं हटाया जाएगा और लोगों को भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान नहीं देने की सलाह दी।के रवि कुमार ने कहा कि यह प्रक्रिया केवल भारतीय नागरिकों के लिए है और विदेशी नागरिक इसमें शामिल नहीं होंगे। उन्होंने मतदाताओं, कर्मियों, मीडिया के प्रतिनिधियों, सभी मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए, से अपील करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करें ताकि राज्य की मतदाता सूची अधिक स्वच्छ समावेशी एवं त्रुटिरहित बन सके।इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ट्रेनिंग नोडल देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार उपस्थित रहे।

शादी में नाच गाने के दौरान विवाद, युवक को बंधक बनाकर टांगी से काटा, रिम्स ले जाने के क्रम में मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
गुमला : पालकोट थाना के अंबाटोली गांव में एक शादी समारोह के दौरान उपजे मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया।यहां नाचने-गाने के दौरान हुए विवाद में 27 वर्षीय दुर्गा उरांव पर टांगी (कुल्हाड़ी) से ताबड़-तोड़ जानलेवा हमला कर दिया गया, और इसके बाद गंभीर रूप से जख्मी युवक को रात भर आरोपी के घर के बाथरूम में बंधक बनाकर रखा गया। अंततः इलाज के लिए रिम्स रांची ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। दर्ज फर्दबयान के अनुसार, मृतक के भाई सोमरा उरांव ने बताया कि वह अपनी मां और छोटे भाई दुर्गा उरांव के साथ गत 17 मई को लोटवा गांव में अपने मामा की बेटी की शादी में गये थे। 19 मई की रात शादी समारोह में नाच-गाने का कार्यक्रम चल रहा था।इसी दौरान नाचने की बात को लेकर दुर्गा उरांव का लोटवा गांव के ही गंगा टोप्पो (पिता स्वर्गीय हंसु उरांव) नामक युवक से विवाद हो गया।आरोप है कि इसके बाद गंगा टोप्पो ने दुर्गा को बहला-फुसलाकर अपने घर बुला लिया और वहां ले जाकर उसके सिर और माथे पर टांगी से कई वार कर दिये।युवक को लहूलुहान करने के बाद आरोपी ने उसे रात भर अपने ही घर के बाथरूम में बंद रखा। अगले दिन सुबह जब दुर्गा वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की।ढूंढते हुए जब वे आरोपी गंगा टोप्पो के घर पहुंचे, तो वहां जमीन पर खून बिखरा देख उनका माथा ठनका।शक होने पर जब बाथरूम खोलकर देखा गया, तो दुर्गा वहां लहूलुहान और अचेत अवस्था में बंद मिला। परिजनों ने आनन-फानन में उसे निकालकर सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया, परंतु रांची ले जाने के क्रम में बेडो के समीप ही दुर्गा ने दम तोड़ दिया।

कांग्रेस 24 मई को मनायेगी शिकायत एवं निवारण कार्य दिवस, जिलों में सुनी जायेगी कार्यकताओं की बात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
रांची : प्रदेश कांग्रेस कमेटी 24 मई को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में शिकायत एवं निवारण कार्य दिवस का आयोजन करने जा रही है।प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि यह पहल संगठन को अधिक मजबूत, जवाबदेह और कार्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।यह कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है।इसका मुख्य उद्देश्य जिला और प्रदेश स्तर पर कार्यकताओं, पदाधिकारियों तथा आम कांग्रेसजनों की व्यक्तिगत और सांगठनिक शिकायतों का लिखित रूप में संग्रह कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। पार्टी का मानना है कि जमीनी कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं और उनके सम्मान व संवाद को हमेशा प्राथमिकता दी जानी चाहिए।तय कार्यक्रम के अनुसार, सभी जिला कांग्रेस कार्यालयों में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक लिखित शिकायतें ली जायेंगी, जिन्हें बाद में निष्पक्ष कार्रवाई के लिए प्रदेश कार्यालय भेजा जायेगा।प्रदेश नेतृत्व ने सभी जिला अध्यक्षों और प्रभारियों को इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है। श्री सिन्हा ने कहा कि भाजपा की तरह कांग्रेस में तानाशाही नहीं चलती।यहां लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए हर कार्यकर्ता की आवाज सुनी जाती है। इस पहल से न केवल संगठन में आपसी समन्वय बढ़ेगा, बल्कि कार्यकताओं का भरोसा और मनोबल भी मजबूत होगा।

चलती ट्रेन से मां ने नवजात को फेंका, दूसरे बच्चे की जान बची

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
रांची, : झारखंड के चाईबासा में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर दिया है। यहां एक मां ने अपने ही डेढ़ माह के नवजात बच्चे को चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हुई। घटना इतनी भयावह थी कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला ने अपने दूसरे करीब तीन साल के बच्चे को भी इसी तरह फेंकने का प्रयास किया, लेकिन कोच में मौजूद सतर्क यात्रियों ने तत्परता दिखाकर बच्चे को बचा लिया और महिला के इरादों को नाकाम किया।

यह दिल दहला देने वाली वारदात हावड़ा-बड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस में राजखरसावां और महालीमरूप स्टेशन के बीच हुई। यात्रियों ने तत्काल महिला और उसके पति को पकड़कर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के हवाले किया। सूचना मिलते ही आरपीएफ सिनी पोस्ट के जवान सक्रिय हुए और घंटों के सर्च अभियान के बाद महालीमरूप व राजखरसावां स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक किनारे मासूम बच्चे का शव बरामद किया। इस घटना से पूरे इलाके में मातम और गहरा सदमा फैल गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला की पहचान मुद्रावती गोप के रूप में हुई है, जो पश्चिम सिंहभूम जिले के मझगांव क्षेत्र की निवासी है। उसके पति ने अपना नाम शाहबुद्दीन बताया है, जो पश्चिम बंगाल का निवासी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, करीब चार साल पहले शाहबुद्दीन मुद्रावती को भगाकर ले गया था और दोनों ने शादी कर ली थी, जिसके बाद महिला का नाम बदलकर हसीना बेगम रखा और वे हैदराबाद में छुपकर रह रहे थे। मुद्रावती के परिजनों ने शाहबुद्दीन के खिलाफ बेटी को अगवा करने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस के बढ़ते दबाव के चलते शाहबुद्दीन अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ मझगांव थाना आ रहा था, तभी यह खौफनाक घटना हुई।

फिलहाल, आरोपी महिला को चाईबासा रेलवे स्टेशन पर हिरासत में ले लिया गया है और जीआरपी, आरपीएफ तथा स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से उससे गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस इस बात की तह तक जाने की कोशिश कर रही है कि आखिर एक मां ने अपने ही मासूम बच्चे के साथ इतना निर्मम और औसत कदम क्यों उठाया।

चलती ट्रेन से मां ने तीन माह के बच्ची को फेंका, रेलवे ट्रेक पर मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

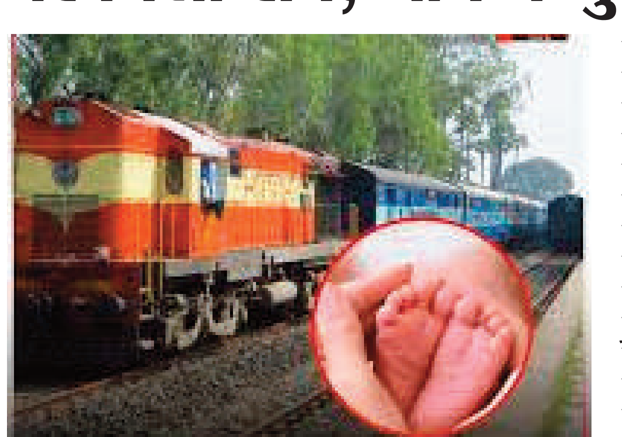

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
सरायकेला : सरायकेला खरसावां से एक दिल दहला देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां व महालीमरूप स्टेशन के बीच बुधवार को देर रात खरसावां पुलिस व राजखरसावां जीआरपी के जवानों ने रेलवे ट्रेक के पास एक बच्ची का शव बरामद किया है। हावड़ा-बड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला पर अपने मासूम बच्ची को चलती ट्रेन से बाहर फेंकने का आरोप लगा है।बताया जा रहा है चलती ट्रेन से फेंक देने के कारण घटना स्थल पर ही बच्ची की मौत हो गयी।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर एक मां ने अपने ही मासूम बच्चे के साथ ऐसा दिल दहला देने वाला कदम क्यों उठाया।जानकारी के अनुसार मृत बच्ची की मां मुद्रावती गोप को पुलिस हिरासत में ले कर पुछताछ कर रही है। आरोपी महिला का नाम मुद्रावती गोप पश्चिम सिंहभूम जिले के मझगांव क्षेत्र की रहने वाली है।सूत्रों के अनुसार ओरोपी महिला के साथ साथ उसके पति से भी रेलवे जीआरपी चक्रधरपुर या चाईबासा में पुछताछ कर रही है। परंतु अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गयी है।रेल ट्रैक के किनारे मासूम का शव बरामद होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।बच्ची का उम्र दो से तीन मांह के बीच बताया जा रहा है।हालांकि खरसावां पुलिस की ओर से अभी तक मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी है। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर बुधवार की रात करीब नौ बजे सिमला गांव के पास रेलवे ट्रेक पर एक बच्ची का शव बरामद हुआ है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस सूत्रों के अनुसार रेलवे के कंट्रोल रुम से खरसावां पुलिस को इस मामले की जानकारी मिली।घटना की सूचना मिलते ही खरसावां थाना की पुलिस व जीआरपी राजखरसावां की पुलिस मामले की जांच में जुट गयी।साथ ही टॉर्च की राजखरसावां व माहलीमोरुप रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रेक पर सर्च अभियान चलाया गया।करीब तीन घटे तक खोजबीन के बाद देर रात बच्ची की लाश मिली।खरसावां पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले कर पोष्टमाटम के लिये सरायकेला भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम कराने के लिये मृतक के परिवार से कोई नहीं पहुंचा।पुलिस ने पोष्टमाटम कराने के बाद शव को सरायकेला पोष्टमाटम हाउस में रख दिया है।ईधर जीआरपी राजखरसावां की ओर से मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

जेल में महिला यौन शोषण मामले में बाबूलाल मरांडी ने सीएम को लिखा पत्र, उच्चस्तरीय जांच की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के कारागारों में महिला कैदियों और महिला कर्मियों के साथ हो रहे कथित यौन शोषण को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। इसमें श्री मरांडी ने आरोप लगाया है कि वर्तमान सरकार के संरक्षण में जेलों के भीतर अधिकारियों और अपराधियों का एक बड़ा गठजोड़ फल-फूल रहा है, जो सत्ता के बल पर महिलाओं का शोषण कर रहा है।पत्र में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (होटवार) के काराधीक्षक कुमार चंद्रशेखर और जेलर लवकुश कुमार पर गंभीर आरोप लगाये गये हैं। श्री मरांडी ने कहा कि कुछ समय पहले होटवार जेल के अधीक्षक पर एक असहाय महिला कैदी को गर्भवती करने के आरोप लगे थे, लेकिन सरकार ने कार्रवाई करने के बजाय मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया।अब जेलर लवकुश कुमार के कारनामों को उजागर करते हुए मरांडी ने लिखा कि चतरा कारागार में तैनाती के दौरान इस जेलर ने एक महिला होमगार्ड का शारीरिक और मानसिक शोषण किया।विरोध करने पर पीड़िता के पति को जान से मारने की धमकी दी गयी। हद तो तब हो गयी जब पीड़िता को डरा-धमकाकर कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न समिति का ही सदस्य बना दिया गया, ताकि फाइलों में कोई शिकायत दर्ज न हो सके।श्री मरांडी ने आरोप लगाया कि जेल अधीक्षक कुमार चंद्रशेखर ने इस मामले में निष्पक्ष जांच करने के बजाय पीड़ित पति को पैसे लेकर चुप रहने की सलाह दी। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इन दागी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाये। मामले की उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच करायी जाए और दोषियों को जेल भेजा जाये।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई, तो यह स्पष्ट हो जायेगा कि सरकार इन अपराधियों को सीधा संरक्षण दे रही है।

पांच साल बाद आया फैसला, महिला की नस काटकर हत्या मामले में सुनीता उरांव को उम्रकैद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि
गुमला : पांच साल पुराने हत्या मामले में एडीजे-वन प्रेम शंकर की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए धोधरा टंगराटोली निवासी सुनीता उरांव को आजीवन कारावास की सजा सुनायी है। अदालत ने 20 मई को उसे दोषी करार दिया था। जिसके बाद सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को उम्रकैद का फैसला सुनाया गया। उम्रकैद के साथ 10 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना नहीं देने पर अतिरिक्त छह महीने की सजा भुगतनी होगी। सरकार की ओर से लोक अभियोजक अजय रजक ने पैरवी की।मामला वर्ष 2021 में हुई एक दिल दहला देने वाली घटना से जुड़ा है।जिसमें गांव की महिला बिरसमुनी देवी की बेरहमी से हमला कर नस काट दी गयी थी।इलाज के दौरान दो दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद उसकी मौत हो गयी थी।मृतका के भतीजे सुशील खड़िया ने थाना में दर्ज बयान में बताया था कि 19 नवंबर 2021 की शाम करीब सात बजे वह अपने परिवार के साथ घर में पूजा-पाठ कर रहा था।तभी गांव की गली से शोर-शराबा और बच्चों के रोने की आवाज सुनायी दी। आवाज सुनकर जब वह बाहर निकला और अपने चाचा गंदूर उरांव के घर की ओर दौड़ा, तो घर के पीछे बिरसमुनी देवी खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। गंभीर रूप से घायल बिरसमुनी देवी ने बताया था कि सुनीता उरांव ने उसके साथ मारपीट की और धारदार हथियार से उसकी नस काट दी। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से उसे सदर अस्पताल गुमला ले जाया गया, जहां उसका इलाज चला।

अस्पताल से घर लौटी, फिर मौत हो गयी थी।परिजनों के अनुसार इलाज के बाद 20 नवंबर को उसे अस्पताल से घर ले आया गया था लेकिन अगले ही दिन 21 नवंबर की सुबह उसकी हालत बिगड़ गयी और उसकी मौत हो गयी।मौत के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गयी थी।परिजनों ने आरोप लगाया था कि सुनीता उरांव और बिरसमुनी देवी के बीच पहले से विवाद चलता था और उसी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया।पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी।जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी महिला के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया।फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि दोषी महिला के सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए माना कि हर हत्या का मामला फांसी की सजा योग्य नहीं होता। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अपराध की प्रकृति गंभीर जरूर है। लेकिन परिस्थितियों और तथ्यों के समग्र मूल्यांकन के बाद यह मामला ह्लरेयरेस्ट ऑफ रेयरह्व नहीं बनता। इसलिए उम्रकैद की सजा ही पर्याप्त और न्यायोचित है।

संक्षिप्त खबरें

युवाओं को नई सोच व ऊर्जा देने में राजीव गांधी की भूमिका सदैव रखीं जाएगी याद

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने स्व. राजीव गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने देश को आधुनिक तकनीक और संचार क्रांति की दिशा में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। युवाओं को नई सोच और ऊर्जा देने में उनकी भूमिका सदैव याद रखी जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि स्व. राजीव गांधी ने देश की एकता, अखंडता और विकास को मजबूत करने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज और देशहित में कार्य करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुंद पाण्डेय, इंटक अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज कुमार पंकज, उपाध्यक्ष बुलंद अख्तर, प्रयाग यादव, मो. सेराज, मंजू देवी सहित अन्य नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गया जंक्शन पर चोरी के लेडीज पर्स के साथ एक संदेही व्यक्ति गिरफ्तार

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर आरपीएफ टीम ने ट्रेन से महिला यात्री का पर्स चोरी कर भाग रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 13051 अप नेताजी एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म संख्या एक पर खड़ी थी। इसी दौरान आरपीएफ टीम की नजर एसी-2 कोच से हरा-नीला झोला लेकर उतर रहे एक युवक पर पड़ी। पुलिस को देखकर वह भागने और छिपने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर जवानों ने उसे घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने सो रही महिला यात्री का पर्स चोरी किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र निवासी ब्रजेश कुमार के रूप में हुई। तलाशी में उसके पास से महिला का पर्स, मोबाइल, 5020 रुपये नकद और कॉस्मेटिक सामान बरामद किया गया। बरामद सामान की कीमत करीब 44 हजार रुपये बताई गई है। मामले में जीआरपी गया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही

जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन नई कमिटी का गठित

गया जी (एजेंसी) : गया जी खेल भवन सह व्यायामशाला में गया जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन की बैठक बिहार वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव अरुण कुमार ओझा की देखरेख में संपन्न हुई।ज्ञात हो कि पूर्व में गया जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे अरुण कुमार ओझा द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दिए जाने के उपरांत पुरानी कमिटी को भंग कर नई कमिटी का गठन किया गया।बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया गया।जिसमें डॉ केतुल कुमार को अध्यक्ष,राहुल राज को सचिव, पूजा कुमारी को कोषाध्यक्ष के रूप में

चयन किया गया।इसके अतिरिक्त समिति के संरक्षक के रूप में राकेश रंजन एवं अरुण कुमार ओझा को मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद पर कुंदन कुमार,कुमारी रीता सिंह का चयन किया गया। संयुक्त सचिव के रूप में विकाश भारद्वाज, संगीता कुमारी को जिम्मेदारी सौंपी गई।तकनीकी बोर्ड के चेयरमैन के रूप में रवि पाण्डेय का चयन किया गया। साथ ही संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए छह सदस्यीय समिति का भी गठन किया गया जिसमें श्रद्धार्थ कुमार,सत्यम वर्मा, अशुतोष कुमार, सुप्रिया राज, साहिल सिंह राजपूत व सौरभ सुमनको सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नई कमिटी को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि गया जिला वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन जिले में वेटलिफ्टिंग खेल के विकास एवं खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करेगी।

पटना में भीषण गर्मी का असर: 5वीं तक के सभी स्कूल 26 मई तक बंद, 6 से 8वीं की कक्षाएं सुबह 10.30 बजे तक

पटना, (एजेंसी) :पटना में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा फैसला लिया है। जिला दंडाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने आदेश जारी करते हुए जिले के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों में कक्षा 5वीं तक की शैक्षणिक गतिविधियों को 26 मई तक पूरी तरह बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कक्षा 6 से 8वीं तक की कक्षाओं का संचालन केवल सुबह 10.30 बजे तक ही करने का आदेश दिया गया है। यह आदेश प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी लागू होगा। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जिले में अत्यधिक तापमान और दोपहर के समय पड़ रही भीषण गर्मी बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों का पुनर्निर्धारण करें। साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी, आईसीडीएस विभाग, सभी एसडीओ और संबंधित अधिकारियों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश 22 मई से 26 मई तक प्रभावी रहेगा।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा की, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं पर जोर

पटना, (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित ह्यसंवादह्न सभागार में श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक भी शामिल हुए। बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों को लेकर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इसमें सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, स्नानागार, साफ-सफाई, निर्बाध बिजली आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, टेंट-पंडाल, जलापूर्ति, सीसीटीवी और अग्निशमन व्यवस्था समेत विभिन्न तैयारियों की जानकारी दी गई। इसके अलावा पर्यावरण, आपदा प्रबंधन, नगर विकास, स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यटन, परिवहन, पथ निर्माण और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग सहित कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की तैयारियों की जानकारी दी। अपर पुलिस महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) सुधांशु कुमार ने सुरक्षा और विधि व्यवस्था को लेकर विशेष प्रस्तुतीकरण दिया। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि श्रावणी मेला की तैयारी पूरी गंभीरता और समन्वय के साथ की जाए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को मेला व्यवस्था का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और सुविधाओं के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवरियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

बाढ़ पूर्व तैयारी के लिए डीएम ने किया बैठक

तटबंधों की निगरानी, सड़को की मरम्मती, चापाकल की मरम्मती, संकटग्रस्त समूहों की पहचान, आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर जीआर सूची का अपडेशन सहित कई मुद्दों पर दिया निर्देश

- आपदा पीड़ितों को त्वरित गति से ससमय राहत पहुंचना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता- डीएम

मधुबनी, (एजेंसी) : मधुबनी समाहरणालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में बाढ़ पूर्व की तैयारियों को लेकर गुरुवार को डीएम आनंद शर्मा ने जिले के संबंधित वरीय अधिकारियों, संबंधित विभागों के अभियंताओं के साथ बैठक कर कई दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार के खजाने पर सबसे पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। आपदा पीड़ितों को त्वरित गति से ससमय राहत पहुंचना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति में उससे निपटने के लिए तैयारियो को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें। उन्होंने कहा कि आपदा संपूर्ति पोर्टल पर सभी प्रकार के डाटा को ससमय अपडेट कर लें, ताकि आपदा की स्थिति उत्पन्न होने पर ससमय राहत पहुचाई जा सके। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जवाबदेही तय कर करवाई भी की जाएगी। डीएम ने एडीएम आपदा को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित कर के कि सभी अंचल अधिकारी आवश्यकता का आकलन करते हुए निजी नावों के लिए पर्याप्त संख्या में एकरारनामा करा लें,साथ ही क्षतिग्रस्त सरकारी नाव की मरम्मती अविलंब करवा लें। उन्होंने स्थाई बाढ़ आश्रय स्थल के साथ साथ अस्थाई बाढ़ आश्रय स्थल के समीक्षा के क्रम में कहा कि बाढ़ आश्रय स्थल में पेय जल,शौचालय आदि सभी मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि बाढ़ राहत कार्य से जुड़ी आवश्यक दवाइयों का समय से स्टॉक में रखें। इनमें सभी जीवन रक्षक दवा, एन्टी स्नैक,हेलोजन की गोलियां, ब्लीचिंग पाउडर आदि भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हों यह हर हाल में सुनिश्चित कर लें। डीएम ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल, मधुबनी को निर्देश दिया कि विभाग द्वारा चापाकलों की मरम्मति एवं नए लगाए जाने वाले चापाकलों के लिए भी तैयारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी इस्का सतत मॉनिटरिंग भी करेंगें। उन्होंने एडीएम आपदा को निर्देश दिया कि यह हर हाल में सुनिश्चित करें कि जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों सहित बाढ़ प्रमंडल के अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्राधीन बांधो का ससमय निरीक्षण करेगें। यदि किसी स्थान पर उन्हें बांध की वर्तमान संरचना में कोई त्रुटि दिखाई दे तो अविलंब संबधित अभियंता से समन्वय स्थापित कर उसका त्वरित समाधान करेंगें। बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार, अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार,आपदा प्रबंधन पदाधिकारी रजनीश कुमार एवं अन्य वरीय अभियंता सहित कई पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से भी उपस्थित थे।

पीएम ने की दस वर्षों में भारतीय कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव:मांझी

एग्रीकोला मेडल से पीएम मोदी के सम्मानित होने पर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने जताया हर्ष

गया जी (एजेंसी) : केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र की संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाईजेशन के सर्वोच्च सम्मान एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इसे भारत के करोड़ों किसानों, गांवों और कृषि परंपरा का वैश्विक सम्मान बताया।मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में भारतीय कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। आज भारत केवल खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं, बल्कि दुनिया को खाद्य सुरक्षा का मार्ग दिखाने वाला देश बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री की किसान हितैषी नीतियों और गरीब-किसान केंद्रित विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत मानकर काम किया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उर्वरक सब्सिडी, एमएसपी में वृद्धि, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा जैसी योजनाओं से किसानों को बड़ा लाभ मिला है।उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी भारत ने अपने नागरिकों के साथ कई देशों को खाद्यान्न सहायता देकर मानवता का परिचय दिया। मांझी ने कहा कि फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाईजेशन का यह सम्मान हर भारतीय किसान की मेहनत और समर्पण को समर्पित है तथा मोदी के नेतृत्व में भारत आने वाले वर्षों में कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में विश्व का मार्गदर्शन करता रहेगा।

केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पटना में चलाया गया 100 दिवसीय टीबी मुक्त अभियान

हाजीपुर (एजेंसी) : केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्परताल, पटना में बुधवार को ओपीडी परिसर में भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे ह्लसघन 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत उन्मूलनह्व के अंतर्गत जनजागरूकता अभियान की तीसरी कड़ी का आयोजन चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रीमती प्रेक्षी श्रीवास्तव, पोषण आहार विशेषज्ञ द्वारा टीबी रोगियों में उचित पोषण के महत्व, संतुलित आहार, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में पोषण की भूमिका तथा विभिन्न खाद्य पदार्थों के लाभ की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही टीबी की रोकथाम एवं शीध्र सुधार के लिए संतुलित खानपान की आवश्यकता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया । डा.गोविन्द प्रसाद, एसीएचडी/शिशु विशेषज्ञ के द्वारा टीबी के मरीजों में पोषण की आवश्यकता के महत्व पर महत्वपपूर्ण जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्रा ने उचित पोषण एवं सामुदायिक सहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने उपस्थित लोगों से स्वस्थ्य जीवनशैली एवं समुचित पोषण अपनाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन डॉ स्वीटी कुमारी, डीएमओ/पैथोलॉजी के द्वारा किया गया जिसमें लगभग 80 से ज्यादा मरीजों एवं उनके परिजनों ने टीबी एवं पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण एवं लाभकारी जानकारी प्राप्त की।

सड़क के गड्ढे बने जानलेवा, तीसरी बार पलटा ई-रिक्शा व बाल-बाल बची चालक की जान

प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय के पास हादसा, सड़क पर बिखरी सब्जियां, सड़क मरम्मती की मांग

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर में जर्जर सड़क अब राहगीरों के लिए खतरा बनती जा रही है। गुरुवार दोपहर प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय के समीप सड़क पर बने बड़े गड्ढे के कारण एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया। उसे सिर्फ मामूली चोटें आईं, जबकि वाहन में लदी सब्जियां सड़क पर बिखर गईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ई-रिक्शा सब्जियां लेकर आ जा रहा था। विद्यालय के पास सड़क पर बने गहरे गड्ढे में वाहन का पहिया फंस गया, जिससे चालक संतुलन खो बैठा और ई-रिक्शा पलट गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत चालक को बाहर निकाला और इस हादसे में वह बाल-बाल बच गया। उसे मामूली चोट लगी है।स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति लंबे समय से खराब है, लेकिन इस ओर किसी भी स्तर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों ने बताया कि आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब सड़क की मरम्मत कराने और गड्ढों को भरवाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बंद घरों को चोरों ने बनाया निशाना, चार मकानों से जेवर, बर्तन व कपड़ों की चोरी

गुरपा थाना क्षेत्र के मंझला (धंक्षु) गांव में वारदात, स्वान दस्ता टीम ने की जांच

पुलिस ने घरों को किया सील, चोरी गए सामान का आकलन जारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गुरपा थाना क्षेत्र के मंझला धंक्षु गांव में चोरों ने बंद पड़े चार घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये मूल्य के सामान की चोरी कर ली। ग्रामीणों को चोरी की जानकारी तब हुई, जब लोग शौच के लिए नदी की ओर जा रहे थे। इस दौरान गांव की मस्जिद के पास स्थित तीन घरों तथा नदी जाने वाले रास्ते पर स्थित एक अन्य घर का ताला टूटा मिला। चोरी की घटना शेराज उद्दीन, मंजूर आलम, हाफिज जहूर आलम और सलीमा खातून के घर में हुई है। सभी परिवार अपने घरों में ताला लगाकर बाहर गए हुए थे। कोई कोलकाता तो कोई दिल्ली में अपने बेटे-बेटियों के पास रह रहा है। सभी मकान करीब दो से तीन माह से बंद पड़े थे। मिली जानकारी के अनुसार, चोरों ने घरों के मुख्य दरवाजों का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और बक्सा, गोदरेज व अन्य सामानों को खंगाल डाला। शेराज उद्दीन ने बताया कि चोरों ने बक्सा तोड़कर कपड़े, बर्तन और जेवर चोरी कर लिए। वहीं मंजूर आलम के घर में गोदरेज, बक्सा और दीवान पलंग में रखा सामान बिखरा मिला। गोदरेज का ताला तोड़कर उसमें रखे जेवर, कपड़े और बर्तन चुरा लिए गए। हाफिज जहूर आलम के घर में भी बक्सा तोड़कर सामान चोरी किया गया। वहीं गूंगी महिला सलीमा खातून के घर से दो बक्सों का ताला तोड़कर कपड़े, बर्तन और कुछ जेवर चोरी कर लिए गए। बताया जाता है कि करीब चार माह पूर्व भी सलीमा खातून के घर से एक बकरा चोरी हुआ था। उनके घर की देखरेख पिता ताज मोहम्मद करते थे।इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद बुधवार सुबह करीब 10 बजे पुलिस स्वान दस्ता टीम के साथ गांव पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान स्वान दस्ता चोरी वाले घरों में घूमते हुए गंध के आधार पर नदी किनारे की ओर पहुंचा, लेकिन इसके बाद कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका। पुलिस ने जांच के लिए घरों को सील कर दिया है। इसी कारण घर मालिक अब तक यह स्पष्ट नहीं कर पाए हैं कि चोरी में कुल कितने और कौन-कौन से सामान गायब हुए हैं। पुलिस टीम के लौटने के बाद परिजन चोरी गए सामान का आकलन करने में जुटे हैं। सामान की सूची तैयार होने के बाद पीड़ित परिवारों द्वारा थाना में आवेदन दिया जाएगा। थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार ने बताया कि चोरी की घटना की जांच जारी है। पुलिस चोरी में शामिल लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

टनकुप्पा में पंचायत समिति की बैठक में पेयजल संकट व सीओ के रवैया का मुद्दा छाया रहा

नल-जल योजनाओं की बदहाली पर पीएचईडी घिरा, टैंकर से जलापूर्ति की मांग

अंचल कार्यालय की कार्यशैली पर जनप्रतिनिधियों का हंगामा, आंदोलन की दी चेतावनी

-राशन कार्ड शिविर, स्कूल उन्नयन व जनसुविधाओं से जुड़े कई प्रस्ताव पारित

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में गुरुवार को प्रमुख चिंकी कुमारी की अध्यक्षता और बीडीओ अलीशा कुमारी के संचालन में आयोजित पंचायत समिति की सामान्य बैठक पेयजल संकट, नल-जल योजनाओं की बदहाल स्थिति और अंचल कार्यालय की कार्यशैली को लेकर हंगामेदार रही। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने कई विभागों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख चिंकी कुमारी ने की, जबकि संचालन बीडीओ अलीशा कुमारी ने किया ।बैठक में पंचायत समिति सदस्य संतोष कुमार ने उतलीबारा पंचायत के साहिल और सोनपुर अनुसूचित टोला में गंभीर पेयजल संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि नल-जल योजनाएं लंबे समय से खराब पड़ी हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है। इस पर जनप्रतिनिधियों ने पीएचईडी विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल टैंकर से जलापूर्ति कराने तथा सभी खराब योजनाओं की जांच कर शीघ्र मरम्मत कराने का प्रस्ताव पारित किया। उतलीबारा पंचायत की मुखिया कंचन देवी ने पंचायत सरकार भवन निर्माण जल्द शुरू कराने और असुरेन वार्ड संख्या-1 में लंबित मामलों स्टार्टर लगाने की मांग उठाई। उन्होंने संबंधित कनीय अभियंता पर कार्रवाई की मांग भी की। बैठक में खराब चापाकलों की जांच, पंचायतों में सचिव की प्रतिनियुक्ति, पात्र लाभुकों के राशन कार्ड बनाने के लिए विशेष शिविर लगाने तथा चोवार पंचायत में मनरेगा से खेल मैदान निर्माण कराने का प्रस्ताव भी पारित हुआ ।बैठक के दौरान भेटौरा पंचायत के मुखिया दिलीप यादव ने सीओ पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत सरकार भवन के कर्मचारियों को अंचल कार्यालय में बैठाने से पंचायत स्तर के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस मुद्दे पर कई जनप्रतिनिधियों ने समर्थन करते हुए चेतावनी दी कि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं सीडीपीओ की अनुपस्थिति पर भी सदन ने नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की ।बैठक में उप प्रमुख मुन्नी देवी, मनरेगा पीओ नीरज कुमार, एमओ अजित कुमार, बीपीआरओ जीसान आलम, बीएओ सोमेश्वर मेहता, बीसीओ अमित राजपाल समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, सभी पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

कानून सबके लिए समान कहां है यह संवैधानिक सिद्धांत?

हाल के वर्षों में न्यायपालिका की निष्पक्षता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही को लेकर जितने गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संसद में सरकार ने जो जानकारी दी है, उसमें हजारों शिकायतें सरकार के पास भ्रष्टाचार की पंहुची हैं। उनमें पूर्व दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा का मामला सबसे अधिक चिंताजनक है। उनके आवास से करोड़ों रुपये के जले हुए नोट मिले, सुप्रीम कोर्ट की समिति ने जांच की, उन्हें इस्तीफा देने की सलाह दी गई, लेकिन उन्होंने पहले इस्तीफा नहीं दिया। बाद में उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया, जहां उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया। अब उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है, किंतु उसके स्वीकार न होने तक वे अभी भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीशों की सूची में बने हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने भारतीय न्यायपालिका की जवाबदेही और भ्रष्टाचार की व्यवस्था पर गहरे प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हजारों शिकायतें प्राप्त होने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सरकार ने जो चुप्पी साध रखी है। कोई कार्यवाही नहीं की यह चिंता का विषय है। सबसे बड़ा सवाल यह है, यदि किसी न्यायाधीश पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हों। वह महाभियोग प्रक्रिया पूरी होने से पहले इस्तीफा दे दे, तो क्या उसके विरुद्ध आगे कोई प्रभावी कार्रवाई संभव नहीं होती है। संविधान के अनुसार उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने का एकमात्र संवैधानिक तरीका संसद में महाभियोग ही है। यह प्रक्रिया इतनी जटिल और राजनीतिक सहमति पर आधारित है कि व्यवहार में शायद ही कभी पूरी हो पाती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश इस्तीफा दे देता है, तो महाभियोग स्वतः अप्रासंगिक हो जाता है। जब भ्रष्टाचार के आरोपों की शिकायत न्यायपालिका अथवा सरकार के पास जाती है। ऐसी स्थिति में आंतारिक जांच कराकर सरकार यदि राष्ट्रपति के माध्यम से उनकी सेवा समाप्त करके उनके ऊपर मुकदमा चला सकती है। सरकार नियुक्ति करती है। कदाचरण में उसके पास हटाने का अधिकार भी होता है। यह तर्क भी सामने आ रहा है कि न्यायाधीशों को मिले संवैधानिक संरक्षण का उद्देश्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना था, न कि भ्रष्टाचार के आरोपों से सुरक्षा देना। न्यायाधीश संरक्षण कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों के कारण सेवानिवृत्ति लाभ, पेंशन और पद की गरिमा पर तत्काल प्रभाव डालना कठिन है।

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।
: रामायण

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
: स्वामी ज्ञानानंद

दैनिक पंचांग

22 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	कर्क में
मंगल	मेष में
बुध	वृष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.54 बजे से
कर्क	09.07 बजे से
सिंह	11.23 बजे से
कन्या	13.35 बजे से
तुला	15.46 बजे से
वृश्चिक	18.00 ब.से
धनु	20.16 बजे से
मकर	22.22 बजे से
कुंभ	00.08 बजे से
मीन	01.41 बजे से
मेष	03.11 बजे से
वृष	04.51 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 142 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 06.25 बजे तदनन्तर सप्तमी 05.05 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 02.08 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वृद्धि 08.19 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 06.25 बजे, गर 17.40 बजे तदनन्तर वणिज 05.05 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 5.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 21'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872717
जूलियन दिन 2461182.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज **तारीख** 05
विशेष राजा राममोहन राय जयंती।

दिन का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक

रात का चौघड़िया				
रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
काल	07.11	से	08.43	बजे तक
लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
चर	02.51	से	04.23	बजे तक
रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7519

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7518 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

तमिलनाडु में तमिल राजनीति के उदय से उम्मीद की नई किरणें

तमिलनाडु विधान सभा चुनाव 26 के बदलते जनादेश ने तमिल द्रविड़ राजनीति से ह्लनई तमिल राजनीतिह्व भारतीय लोकतंत्र को दिया नया संदेश

वैश्विक राजनीतिक पटल पर सैदव ही भारत व भारतीय लोकतंत्र की चर्चा होती रहती है।भारत में संविधान ही सर्वोपरि है।जो अपने नागरिको मौलिक अधिकारो व कर्तव्यों की स्पष्ट उल्लेख किया है। यहाँ के नागरिकों को मताधिकार दिया है।भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही है कि यहाँ जनता समय-समय पर सत्ता, समीकरण और राजनीतिक विचार घारों व धारणाओं को बदलती रही है।भारतीय राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल की शक्ति स्थायी नहीं होती।कभी राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का प्रभाव चरम पर होता है,तो कभी क्षेत्रीय अस्मिता नई राजनीतिक धारा बनकर उभरती है। विगत दिनों दक्षिण भारत का तमिलनाडु राज्य इसी राजनीतिक परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण रहा है।सर्वविदित रहे कि सन् 1967 में जब सी एन अन्ना दुरई के नेतृत्व में द्रविड़ राजनीति ने कांग्रेस के लंबे राजनीतिक वर्चस्व को समाप्त कर सत्ता के सिंघासन हासिल की थी,तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि आने वाले दशकों में तमिलनाडु भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक प्रयोगशाला बन जाएगा।उस दौर में द्रविड़ आंदोलन केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं था,बल्कि सामाजिक न्याय, भाषायी अस्मिता,क्षेत्रीय स्वाभिमान और राजनीतिक आत्मसम्मान का बड़ा आंदोलन बन चुका था।तमिल समाज ने पहली बार यह महसूस किया कि दिल्ली की राजनीति से अलग उनकी अपनी भी एक राजनीतिक पहचान हो सकती है।यही वह दौर था जब राजनीति और सिनेमा ने मिलकर दक्षिण भारत में एक नई सामाजिक चेतना को जन्म दिया।तमिल फिल्मों के संवाद केवल मनोरंजन नहीं रहे,बल्कि राजनीतिक संदेश बन गए।फिल्मी के सुनहरे पर्दे पर गरीबों के रक्षक और अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाले नायक जनता की वास्तविक राजनीति के नायक बनते चले गए।

इसी राजनीतिक-सांस्कृतिक वातावरण से एम जी रामा चन्द्रन जैसे करिश्माई नेता उभरे,जिन्होंने जनता के दिलों पर ऐसा प्रभाव स्थापित किया कि फिल्मों की लोकप्रियता सीधे राजनीतिक जनसमर्थन में बदल गई।उनके जे जयललिता ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया और तमिल राजनीति में महिला नेतृत्व की एक अलग पहचान बनाई।दक्षिण भारत में फिल्म और राजनीति का यह अनूठा संगम धीरे-धीरे आंध्र प्रदेश तक पहुँचा,जहाँ एन टी रामा राव ने तेलुगु अस्मिता को राजनीतिक शक्ति में बदल दिया।यह वह नया दौर था जब राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के सामने क्षेत्रीय दलों की शक्ति तेजी से बढ़ रही थी।लगभग छह दशकों तक तमिलनाडु की राजनीति द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द धुमती रही।कभी डी एम के सत्ता में आई तो कभी ए आई ए डी एम के लेकिन राजनीतिक केंद्र वहीं बना रहा।जनता के सामने विकल्प बदलते रहे,किन्तु राजनीति का मूल स्वर द्रविड़ विचारधारा ही बनी रही,किन्तु समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता।राजनीति में भी पीढ़ियाँ बदलती हैं,प्राथमिकताएँ बदलती हैं और जनता की अपेक्षाएँ भी बदल जाती हैं।वर्ष 2026 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आया।इस चुनाव ने न केवल राजनीतिक पंडितों के सभी अनुमान उलट दिए,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि जनता जब परिवर्तन का मन बना लेती है,तो दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाएँ भी हिल जाती हैं।तमिल फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता विजय के नेतृत्व में उभरी नई राजनीतिक धारा ने पहली बार तमिलनाडु की राजनीति को द्रविड़ बनाम द्रविड़ की पारंपरिक लड़ाई से बाहर निकालने का प्रयास किया।विजय ने स्वयं को केवल अभिनेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया,बल्कि ह्लनई तमिल राजनीति ह्व के नायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।उनकी सभाओं में उमड़ती युवाओं की भीड़,सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता और पारंपरिक राजनीति के विरुद्ध आक्रोश ने चुनावी वातावरण को पूरी तरह बदल दिया।शुरूआत में राजनीतिक विश्लेषक इसे केवल ह्लस्टारडम का प्रभावह्व मान रहे थे,लेकिन विधान सभा चुनाव के परिणामों ने यह साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी।तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की आवश्यकता थी।चुनाव परिणामों में विजय की पार्टी टी वी के ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरकर सबको चौंका दिया।वहीं डी ए के 59 सीटों पर सिमट गई और ए आई ए डी एम के गठबंधन लगभग 53 सीटों तक सीमित रह गया।कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा।इन परिणामों ने केवल सरकार का गणित नहीं बदला,बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आत्मा में चल रहे परिवर्तन को भी उजागर कर दिया।यह चुनाव भावनात्मक नारों और पारंपरिक राजनीतिक विरासत से आगे बढ़कर नई आकांक्षाओं का चुनाव बन चुका था। युवाओं की नई पीढ़ी रोजगार चाहती है,तकनीकी विकास चाहती है,उद्योग चाहती है,डिजिटल अवसर चाहती है और सबसे अधिक पारदर्शी शासन चाहती है।

पहली बार मतदान करने वाले लाखों युवा मतदाताओं ने जातीय और परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से ऊपर उठकर ह्लनए नेतृत्वह्व पर भरोसा जताया।यही कारण रहा कि शहरी क्षेत्रों,आईटी कॉरिडोर और शिक्षित युवाओं वाले निर्वाचन क्षेत्रों में पारंपरिक दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाया।राजनीतिक विश्लेषकों की सबसे बड़ी भूल यह रही कि वे तमिलनाडु की राजनीति को पुराने चुनावी गणित से समझने का प्रयास करते रहे,जबकि जनता का मन बदल चुका था।एग्जिट पोल और राजनीतिक सर्वेक्षण जहाँ द्रविड़ दलों की मजबूत वापसी का दावा कर रहे थे,वहीं मतदाताओं ने चुपचाप एक नया राजनीतिक संदेश लिख दिया।दरअसल तमिलनाडु में यह परिवर्तन अचानक नहीं आया।पिछले कुछ वर्षों से जनता के भीतर नेतृत्व को लेकर एक खालीपन महसूस किया जा रहा था।एम करुणा निधि और जयललिता जैसे बड़े नेताओं के जाने के बाद राजनीति में वह भावनात्मक करिश्मा दिखाई नहीं दे रहा था जिसने दशकों तक जनता को जोड़े रखा था।इसी राजनीतिक रिक्तता में नए चेहरे और नई राजनीति के लिए जगह बनी। विजय ने चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार ह्लतमिल अस्मिताह्व और ह्लनई पीढ़ी की राजनीतिह्व को केंद्र में रखा।उन्होंने पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से दूरी बनाते हुए स्वयं को भविष्य की राजनीति का चेहरा साबित करने का प्रयास किया।इस चुनाव का सबसे बड़ा झटका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेश को लगा। कभी दक्षिण भारत में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली कांग्रेस अब गठबंधन की राजनीति तक सीमित दिखाई दे रही है। तमिलनाडु के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल क्षेत्रीय दलों के सहारे राजनीति करने से किसी राष्ट्रीय दल का जनाधार मजबूत नहीं हो सकता।कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा संकट स्थानीय नेतृत्व का अभाव है।पार्टी के पास ऐसा कोई करिश्माई चेहरा नहीं दिखता जो तमिलनाडु की जनता के भीतर नई ऊर्जा पैदा कर सके।यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक पुनर्गठन और दक्षिण भारत की नई रणनीति पर गंभीर चर्चा प्रारम्भ हो गई है।राजनीतिक दृष्टि से देखें तो तमिलनाडु का यह जनादेश केवल एक राज्य की घटना नहीं है।यह भारतीय राजनीति में बदलती सामाजिक मानसिकता का संकेत है।आने वाले समय में क्षेत्रीय पहचान,युवा नेतृत्व,डिजिटल राजनीति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रभाव और अधिक बढ़ सकता है।राजनीति के विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य की राजनीति अब केवल जातीय समीकरणों और पारंपरिक वोट बैंक के सहारे नहीं चलेगी।सोशल मीडिया,युवा मतदाता और राजनीतिक पारदर्शिता नए निर्णायक कारक बन चुके हैं। तमिलनाडु ने यह संदेश पूरे देश को दे दिया है।

विनोद कुमार सिंह

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

स्वस्थ बचपन का संकल्प हो रहा साकार, बदल रही है बच्चों और माताओं की स्वास्थ्य तस्वीर

जब किसी देश में नवजात शिशु सुरक्षित जन्म लेने लगे, माताएँ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ पाने लगें, बच्चों तक समय पर टीकाकरण और पोषण पहुँचने लगे, तब समझना चाहिए कि विकास जमीन पर दिखाई देने लगा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो परिवर्तन आया है, उसने स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी तस्वीर बदल दी है। गांवों की आंगनबाड़ी से लेकर आधुनिक डिजिटल हेल्थ सिस्टम तक, बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया गया है।

स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आयोजित 79वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डाजी ने महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य को लेकर भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए जिस विश्वास के साथ भारत की उपलब्धियाँ दुनिया के सामने रखीं, वह इस बदलाव का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का लक्ष्य तय किया, वहीं मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादवजी समेत विभिन्न राज्यों की सरकारों ने इसे धरातल पर उतारने का काम किया। परिणामस्वरूप आज भारत बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य संरक्षण के क्षेत्र में दुनिया के सामने एक मजबूत उदाहरण बनकर उभर रहा है।

विश्व मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका

भारत वर्ष 2005 से पार्टनरशिप फॉर मैटरनल, न्यूबॉर्न एंड चाइल्ड हेल्थ यानी पीएमएनसीएच से जुड़ा हुआ है। आज भारत इस संगठन में बोर्ड का उपाध्यक्ष और स्थायी समिति का अध्यक्ष है। हर वर्ष 20 लाख डॉलर की स्थायी अनुदान राशि देकर भारत ने यह संदेश दिया है कि वह सिर्फ अपने देश तक सीमित न रहकर वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वहीं, भारत ने दुनिया को यह दिखाया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जा सकती हैं।

आयुष्मान भारत ने बदली गरीब परिवारों की चिंता

मोदी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं में आयुष्मान भारत योजना का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इस योजना ने गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए इलाज की चिंता काफी हद तक कम की है। लाखों बच्चों को गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा मिली है। देशभर में स्थापित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अब उपचार देने के साथ ही बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण का मजबूत आधार बन चुके हैं। यहाँ टीकाकरण, पोषण जांच, एनीमिया नियंत्रण और प्राथमिक उपचार जैसी सेवाएँ लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मिशन इंद्रधनुष से सुरक्षित हो रहा बचपन

भारत में बच्चों की मौत का एक बड़ा कारण लंबे समय तक टीकाकरण का अभाव रहा। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने मिशन इंद्रधनुष को मिशन मोड में लागू किया। इस अभियान ने दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों तक टीकाकरण सेवाएँ पहुँचाने में बड़ी सफलता हासिल की। यहां तक कि कोविड महामारी के दौरान भी बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावित नहीं होने दिया गया। डिजिटल ट्रैकिंग और जमीनी स्तर पर आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं के प्रयासों ने इस अभियान को नई ताकत दी। यही वजह है कि शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

पोषण अभियान से कुपोषण के खिलाफ लड़ाई

भारत में कुपोषण एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य चुनौती रही है। इसे दूर करने के लिए शुरू किया गया पोषण अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। गर्भवती महिलाओं, बच्चों और किशोरियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम कर रही हैं। स्कूलों में मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण आहार वितरण व्यवस्था को मजबूत किया गया है। ह्लपोषण पखवाड़ाह्व और ह्लपोषण माहह्व जैसे कार्यक्रमों ने लोगों को जागरूक करने में बड़ी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई मंचों से कुपोषण मुक्त भारत का आह्वान कर चुके हैं।

किशोर स्वास्थ्य पर बढ़ा फोकस

भारत उन शुरूआती देशों में शामिल रहा जिसने किशोर स्वास्थ्य को लेकर अलग राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया। वर्ष 2014 में आरंभ हुए इस कार्यक्रम के माध्यम से स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए युवाओं तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई गईं। आज किशोरों में मानसिक तनाव, एनीमिया और जीवनशैली संबंधी बीमारियों की चुनौतियाँ बढ़ रही हैं। ऐसे समय में सरकार का यह प्रयास भविष्य की पीढ़ी को स्वस्थ और जागरूक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य को लेकर विशेष अभियान चला रही है। राज्य में कुपोषण के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है और बच्चों की स्वास्थ्य निगरानी को डिजिटल माध्यम से मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की संख्या बढ़ाई है। जिला अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नवजात शिशु देखभाल इकाइयों का विस्तार किया गया है। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के कारण मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार देखने को मिला है।

उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस पर नियंत्रण

मुख्यमंत्री योगीजी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बच्चों के स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में वर्षों तक बच्चों की जान लेने वाली इंसेफेलाइटिस बीमारी पर नियंत्रण राज्य सरकार की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। स्वच्छता अभियान, टीकाकरण, बेहतर इलाज और जनजागरूकता के कारण इस बीमारी से होने वाली मौतों में भारी कमी आई है। राज्य में नए मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना ने भी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया है।

गुजरात और असम में तकनीक आधारित स्वास्थ्य मॉडल

आज गुजरात ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है। नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए विशेष इकाइयाँ स्थापित की गई हैं और ग्रामीण क्षेत्रों तक मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जा रही हैं। वहीं असम में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है। राज्य में चिकित्सा ढाँचे को मजबूत करने के साथ टीकाकरण और पोषण कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर लागू किया गया है।

पहाड़ी और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचती स्वास्थ्य सेवाएँ

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री धामीजी की सरकार ने पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के लिए टेलीमेडिसिन और मोबाइल हेल्थ यूनिट्स का उपयोग बढ़ाया है। इससे दूर-दराज क्षेत्रों के बच्चों को समय पर इलाज मिल पा रहा है। इसी प्रकार अन्य राज्यों में भी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार स्वास्थ्य मॉडल विकसित किए जा रहे हैं। कहीं पोषण पर जोर है तो कहीं डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं पर। इन प्रयासों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है।

यही कारण है कि आज भारत की पहचान दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य सेवा अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित करने वाले राष्ट्र के रूप में भी बनने लगी है। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में आई गिरावट, टीकाकरण कवरेज में वृद्धि और पोषण सुधार जैसे संकेतक इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। निश्चित ही केंद्र और राज्य सरकारों के साझा प्रयासों ने यह साबित किया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो तो स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जा सकता है।

डॉ. निवेदिता शर्मा

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बच्चों को सुविधाभोगी छुईमुई नहीं पराक्रमी बनाने की जरूरत

दुनिया के सबसे ज्यादा बच्चे भारत में हैं लेकिन स्वास्थ्य के मामले में ये बच्चे काफी पिछड़ी हालत में हैं। देश के ज्यादातर शहरों के ज्यादातर पब्लिक स्कूलों में सुबह होने वाली प्रार्थना (प्रेयर असेंबली) अब स्थगित कर दी जाती है। कारण पता करने पर स्कूल प्रबंधन बताते हैं कि हर असेंबली में पांच छह से एक दर्जन से अधिक बच्चे प्रेयर के दौरान गश खाकर गिर जाते हैं। यह एक चिंता जनक तथ्य है और जिन्हें पहली बार पता चल रहा है वह अचरज कर सकते हैं लेकिन यह सच्चाई है। बच्चों खासकर शहरी बच्चों की शारीरिक सामर्थ्य बेहद कम हो रही है कुपोषण फास्टफूड पढ़ाई कोचिंग किताबों के बोझ से दबे बच्चे बचा समय मोबाइल में बिता रहे हैं और अपनी शारीरिक क्षमता को खो रहे हैं आउटडोर गेम से दूरी भी इस का एक बड़ा कारण है। ऐसे हालात में बच्चों को शारीरिक श्रम से जोड़ने की बेहद जरूरत है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाल का एक बयान बेशक कुछ एसी कमरों में बैठ कर बालविकास की योजना बनाने वाले अंग्रेजीदा लोगों को चुभ सकता है लेकिन मुख्यमंत्री का असली ईशारा भविष्य के लिए संघर्ष और संस्कार से तप कर निकली युवा पीढ़ी देने का है।

विचार कीजिए क्या हम अपनी आने वाली नस्लों की रगों में भारतीयता की जगह आलस्य और सुविधाभोगी कल्चर दे रहे हैं? जरा सोचिए–हड्डियों को कमजोर करने वाली सुख-सुविधाएं, एयर-कंडीशनर कमरों में सुलगती सुकुमार पीढ़ी और स्क्रीन पर रेंगती हुई बेजान उंगलियां... आज का हिंदुस्तान अपनी संतानों को शिक्षा नहीं, बल्कि चुनौतियों से पीठ दिखाकर भागने का एक धीमा जहर परोस रहा है! हमारी रीढ़ की हड्डी को इतना लचीला बना दिया गया है कि वह जिंदगी के पहले ही थपेड़े में कड़कड़ाकर टूट जाए। लेकिन इसी सन्नाटे को चीरती हुई जब देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री पदासीन योगी का संबोधन गूंजता है, तो दिल्ली से लेकर लखनऊ तक का मखमली पाखंड भरभराकर ढह जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गरजते हैं कि–जो शिक्षक बच्चों को धूप में तपना, मिट्टी से जूझना और श्रमदान की आग में जलना सिखाते हैं, उन पर उंगली उठाने की जुर्रत मत करना; उन्हें सूली पर नहीं, सम्मान के सर्वोच्च शिखर पर बैठाओ!–तो यह महज कोई प्रशासनिक डांट नहीं है। यह सनातन भारत की छाती पर लगा एक ऐसा शॉक-ट्रीटमेंट है, जिसने सीधे हमारी सोई हुई रगों में खौलते खून को याद दिला दिया है। यह एक आधुनिक शासक की वह हुंकार है, जो इस देश के पाखंडी समाज और बिकाऊ कैमरे वालों को उनकी औकात बता रही है।

इस दहाड़ के पीछे छिपे उस प्रचंड और आक्रामक आयाम को समझिए, जिसका सीधा नाता हमारे वेदों के वज्र और गुरुकुलों के रक्त-पसीने के इतिहास से है।आज की तथाकथित सॉफ्ट जनरेशन के मां-बाप बच्चे के हाथ में झाड़ू देखते ही छाती पीटने लगते हैं। कानून की धाराएं और बाल-अधिकारों के खोखले ढोंग लेकर थानों में कतारें लग जाती हैं। धिक्कार है ऐसी सोच पर! इतिहास गवाह है कि जिन बच्चों के हाथों में बचपन में छाले नहीं पड़ते, जवान होने पर उनके कंधों से राष्ट्र के बड़े दायित्व भी फिसल जाते हैं।

जरा सनातन इतिहास के पन्नों को पलटिए और याद कीजिए महर्षि धौम्य के आश्रम के उस बालक आरुणि को। मूसलाधार बारिश हो रही थी, रात का घना अंधेरा था और कड़कती बिजली के बीच गुरु का एक आदेश आता है कि खेत की मेड़ टूट गई है, उसे बांधकर आओ। बालक आरुणि भागता हुआ खेत पर पहुंचता है, मिट्टी बह रही होती है। जब कोई उपाय नहीं सूझता, तो वह खुद उस ठंडे, बर्फीले पानी के बीच मेड़ की जगह लेट जाता है और पूरी रात अपनी छाती से पानी को रोके रखता है। सुबह जब गुरु उसे वहां जमा हुआ देखते हैं, तो उनकी आंखों से आंसू बह निकलते हैं। वह आरुणि को छाती से लगाकर कहते हैं कि आज से तुम केवल शिष्य नहीं, बल्कि अखंड ज्ञान के प्रतीक हो।क्या वह बाल-उत्पीड़न था? नहीं, वह निष्ठा और कठिन परिस्थितियों से लोहा लेने की वो पराकाष्ठा थी, जिसने एक साधारण बालक को उद्दालक जैसे महान ऋषि में बदल दिया।

इसी उज्जयिनी के संदीपनि आश्रम को भी देखिए। भोर की उस कंपकंपाती ठंड में, एक तरफ पूरी धरती का स्वामी, यदुवंश का कुलदीपक–राजकुमार कृष्ण है, और दूसरी तरफ दरिद्र ब्राह्मण का बेटा सुदामा। दोनों के नंगे बदन पर पसीने की बूंदें जम चुकी हैं, कंधों पर भारी कुल्हाड़ी है और वे खूंखार जंगलों को चीरते हुए सूखी लकड़ियों के गट्ठर उठा रहे हैं। क्या वह गुरु द्वारा शिष्यों का शोषण था?नहीं! वह उस ऋषि परंपरा की धधकती हुई भट्टी थी, जो जानती थी कि जब तक सोने को तपाया नहीं जाएगा, तब तक वह कुंदन नहीं बनेगा। वेद ज्ञान चिल्लाकर कहता है कि जिस शिक्षा में पसीना नहीं बहाता, जो शिक्षा तुम्हारे भीतर के मैं और अहंकार की चिता नहीं जला सकती, वह शिक्षा नहीं, बल्कि केवल पेट पालने का एक कसाईखाना है। योगी आदित्यनाथ इसी सनातन सत्य की ढाल बनकर खड़े हुए हैं। वे समाज को थप्पड़ मारकर जगा रहे हैं कि जिस देश के साक्षात ईश्वर ने गुरु के आंगन में गोबर उठाया हो, उस देश में स्कूल की माटी साफ करना गुनाह कैसे हो गया?

आधुनिक संदर्भ में आपको बता दें कि अच्छा पोषण मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता, कम बीमारियाँ, बेहतर स्वास्थ्य और एक उत्पादक समाज का स्त्रोत है। भारत में, स्कूल जाने वाले अधिकांश बच्चे कुपोषण, विशेषकर अल्पपोषण से ग्रस्त हैं। यह समीक्षा भारत के विभिन्न क्षेत्रों के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बच्चों में दुर्बलता, बौनापन, अधिक वजन और मोटापे की व्यापकता का पता लगाने के लिए की गई है। इस उद्देश्य के लिए, रिसर्च गेट, पबमेड, गूगल स्कॉलर, अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन जैसे विभिन्न स्त्रोतों और भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों की वेबसाइटों जैसे विभिन्न एजेंसियों के सर्वेक्षणों का उपयोग करके तीस अध्ययनों की समीक्षा की गई। सभी अध्ययनों में डेटा संग्रह के लिए आहार संबंधी जानकारी, संरचित साक्षात्कार और मानवमितीय मापों का उपयोग किया गया। विभिन्न अध्ययनों के परिणाम बताते हैं कि अल्प वजन वाले बच्चों का प्रतिशत 6.6% से 83% तक है।

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

कज्जाकपुरा में सीवर लाइन की मांग को लेकर सपाइयों का जलकल कार्यालय पर प्रदर्शन

वाराणसी (एजेंसी) : कज्जाकपुरा आरओबी के पास नई सीवर पाइप लाइन नहीं बिछाए जाने से नाराज समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को भेलूपुर स्थित जलकल विभाग कार्यालय पर प्रदर्शन कर महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा।

सपा नेता किशन दीक्षित और पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ह्वविश्वकर्माह्व के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की समस्या उठाई। नेताओं ने आरोप लगाया कि कई शिकायतों और निरीक्षणों के बावजूद अब तक सीवर लाइन नहीं डाली गई।

जलकल महाप्रबंधक अनूप सिंह ने आश्वासन दिया कि नई सीवर पाइप लाइन के लिए जल्द टेंडर जारी कर 14 जून तक कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने स्वयं ऑनलाइन माध्यम से की अपने परिवार की जनगणना

वाराणसी : आज मई को डिजिटल क्रांति और 'डिजिटल इंडिया' के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने एक अनुकरणीय पहल की। उन्होंने अपने आवास पर मोबाइल के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन जनगणना प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष ने देश के विकास में सटीक आंकड़ों के महत्व को रेखांकित किया और तकनीक के इस दौर में सरकार द्वारा प्रदान की गई ऑनलाइन जनगणना की सुविधा की सराहना की। जनगणना केवल नागरिकों की गिनती नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य, विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण का आधार है। ऑनलाइन जनगणना न केवल समय की बचत करती है, बल्कि यह पूरी तरह सुरक्षित, सटीक और पारदर्शी है। मैंने आज अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर राष्ट्र निर्माण के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है।

गडकरी ने उत्तर प्रदेश के 11,672 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और रखरखाव की समीक्षा की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश में 11,672 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और रखरखाव के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में गडकरी ने समयबद्ध क्रियान्वयन, गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन और उन्नत तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि मीडिया और सोशल मीडिया से प्राप्त फीडबैक के आधार पर गुरुवार को यहां आयोजित समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा सहित एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल, सड़क परिवहन मंत्रालय और परियोजना ठेकेदार शामिल हुए।

गडकरी ने बैठक में समयबद्ध क्रियान्वयन, गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन और उन्नत तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया ताकि राजमार्ग ढांचा टिकाऊ और कुशल बने। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाने, आर्थिक विकास को गति देने और यात्रियों की सुविधा सुधारने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मानसून की तैयारियों को व्यापक रूप से सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए रोकथाम उपायों को लागू करने और प्रभावी प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने पर बल दिया गया ताकि पूरे नेटवर्क में सड़क सुरक्षा और टिकाऊपन बनाए रखा जा सके।

द्वितीय केदार मदमहेश्वर मंदिर के कपाट वैदिक विधि-विधान से खुले

रुद्रप्रयाग, (एजेंसी) : द्वितीय केदार के नाम से प्रसिद्ध मदमहेश्वर मंदिर के कपाट गुरुवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे कर्क लग्न में श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इस अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान मदमहेश्वर के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि भगवान मदमहेश्वर का आशीर्वाद सभी भक्तों पर बना रहे। वहीं बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि यात्रा को लेकर समिति की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं।बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह डोली 19 मई को ओंकारेश्वर मंदिर से प्रथम पड़ाव राकेश्वरी मंदिर के लिए रवाना हुई थी। 20 मई को डोली हक-हकूकधारियों के गांव गौंडार पहुंची और गुरुवार प्रातः वहां से प्रस्थान कर श्री मदमहेश्वर धाम पहुंची, जहां निर्धारित मुहूर्त में कपाट खोले गए।इससे पूर्व 19 मई को ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से रावल भीमाशंकर लिंग तथा मंदिर प्रभारी बिजेंद्र बिष्ट ने भगवान मदमहेश्वर की चल विग्रह डोली को विधिवत प्रस्थान कराया था।

मप्र की पटाखा फैक्टरी ब्लास्ट का मुख्य आरोपित गिरफ्तार, विदेश से लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

अब तक 5 आरोपित पुलिस की गिरफ्त में

भोपाल/देवास, (एजेंसी) : मध्य प्रदेश के देवास जिले में हुए भीषण पटाखा फैक्टरी ब्लास्ट मामले में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। हादसे के बाद से ही देश से बाहर फरार चल रहे फैक्टरी के असली मालिक और मुख्य आरोपित मुकेश विज को पुलिस ने चीन से लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया। मुकेश गुरुवार को ही चीन के ग्वांग्झू शहर से भारत लौटा था।

बीती 14 मई को देवास के टोंककलां इलाके में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में सुबह करीब 11:30 बजे एक के बाद एक कई जोरदार धमाके हुए थे। यह ब्लास्ट इतना बड़ा था कि आसपास के मकान तक हिल गए और फैक्टरी की दीवारें मलबे में तब्दील हो गईं। इस दिल दहला देने वाले हादसे में 20 से ज्यादा मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार के रहने वाले 6 मजदूरों (धीरज, सनी, सुमित, अमर और गुड्डू समेत अन्य) की मौत हो गई थी।

देवास एसपी पुनीत गेहलोद ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 13 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था और फरार आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस की मुस्तैदी के चलते पिछले 6 दिनों के भीतर इस मामले में 5 मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मुकेश विज घटना का मुख्य आरोपित है। दिल्ली का रहने वाला मुकेश विज इस फैक्ट्री का असली कर्ताधर्ता है, जो बेनामी निवेश कर इसे चला रहा था। जिसे आज दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। देवास पुलिस ने मुकेश विज की गिरफ्तारी के लिए देशव्यापी 'लुक आउट सर्कुलर' जारी किया था। इसके चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर ही उसकी पहचान हुई और उसे हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस की विशेष टीम ने इस मामले में उत्तराखंड निवासी एक अन्य फरार आरोपित महेश चौहान को भी दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इससे पहले फैक्टरी के संयुक्त संचालक कपिल विज को दो दिन पहले दिल्ली से ही पकड़ा गया था। जबकि पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर कारखाना के लाइसेंसी अनिल मालवीय और मुख्य ठेकेदार मोहम्मद अयाज को गिरफ्तार किया था। इस तरह अब तक 6 दिन के भीतर 5 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जांच में यह बात भी सामने आई है कि यह पटाखा फैक्टरी महज छह महीने पहले ही शुरू की गई थी। घायल मजदूरों के बयानों के मुताबिक, बारिश से पहले पटाखों का एक बहुत बड़ा ऑर्डर पूरा करने के दबाव में फैक्टरी में तय सीमा से कहीं ज्यादा विस्फोटक लाकर रखा गया था। फैक्टरी का लाइसेंस भले ही स्थानीय निवासी अनिल मालवीय के नाम पर था, लेकिन इसका पूरा संचालन और वित्तीय निवेश दिल्ली का मुकेश विज कर रहा था। मुकेश फैक्टरी में आधुनिक मशीनें लगाकर बड़े पैमाने पर ऑटोमेशन करने की फिराक में था। अब जांच एजेंसियां इस पूरे बेनामी कारोबार और काले धन के निवेश की बारीकी से जांच कर रही हैं। मुख्य आरोपित मुकेश विज को देवास लाकर एसआईटी आगे की पूछताछ करेगी।

कोलकाता में भारतीय नौसेना के पहले एनजीओपीवी संघमित्रा का हुआ जलावतरण

कोलकाता, (एजेंसी) : भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए गार्डेनरीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने भारतीय नौसेना के लिए तैयार पहले ह्वनेक्स्ट जेनरेशन ऑफशोर पेट्रोल वेसलह्व (एनजीओपीवी) ह्वसंघमित्राह्व को गुरुवार को औपचारिक रूप से जल में उतार दिया। यह समारोह कोलकाता स्थित जीआरएसई शिपयार्ड में पारंपरिक वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के बीच आयोजित किया गया।

इस अवसर पर भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ और जीआरएसई के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। युद्धपोत का शुभारंभ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन की पत्नी सरिता वात्स्यायन ने किया।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, ह्वसंघमित्राह्व का सफल लॉन्च भारत के ह्वमेक इन इंडियाह्व और ह्वआत्मनिर्भर भारतह्व अभियान की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह युद्धपोत पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया है और भविष्य में समुद्री निगरानी, तटीय सुरक्षा तथा रणनीतिक अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एनजीओपीब एक अत्याधुनिक बहुउद्देशीय युद्धपोत है, जिसे लंबी दूरी तक समुद्री गश्त, तस्करी और समुद्री डकैती पर नियंत्रण, तटीय निगरानी तथा खोज एवं बचाव अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा यह आपदा और आपातकालीन राहत कार्यों में भी प्रभावी रूप से कार्य करने में सक्षम होगा।

जीआरएसई की इस उपलब्धि ने एक बार फिर कोलकाता को देश के रक्षा उत्पादन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाया है। यह उपलब्धि न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय बन गई है।

दिल्ली में राशन कार्ड की पात्रता के लिए परिवार की आय सीमा बढ़ाने का एलान

नई दिल्ली,(एजेंसी) : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राशन कार्ड की पात्रता के लिए परिवार की आय सीमा को 1.20 लाख से बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये प्रति वर्ष करने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पात्र लोगों को ही राशन मिले। इस दिशा में दिल्ली सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि 7 लाख 71 हजार 384 अपात्रों के राशन कार्ड रद्द कर दिया गया है। इसमें 1 लाख 44 हजार लोग आय सीमा से अधिक, 35,800 लोगों ने एक साल से राशन नहीं लिया, 29,580 मौत हो चुकी है और 23,394 डुप्लीटकेट शामिल है।

उन्होंने कहा कि 15 मई से नए राशन कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो चुके हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और बायोमेट्रिक आधारित होगी। इसके लिए आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, परिवार की आय का प्रमाण पत्र और सदस्यों का विवरण जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि राशन वितरण भी बायोमेट्रिक तरीके से किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और सही व्यक्ति तक पूरा राशन पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से दिल्ली के लाखों गरीब लोगों को नए राशन कार्ड बनवाने का अवसर नहीं दिया गया। वे सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाते रहे और अधिकारियों एवं नेताओं से गुहार लगाते रहे, फिर भी उनके राशन कार्ड जारी नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद हमने जो पहला कदम उठाया, वह राशन व्यवस्था का व्यापक ऑडिट कराना गया। ऑडिट के बाद 7 लाख 71 हजार 384 अपात्र लाभार्थियों के नाम राशन सूची से हटाए गए हैं।

हीट वेव से बचाव को लेकर महिलाओं और बच्चों को किया गया जागरूक

वाराणसी(एजेंसी) : बढ़ती गर्मी और हीट वेव के खतरे को देखते हुए सान्वी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल एवं सूर्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल, वाराणसी में जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वर्ण प्रश्न शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को हीट स्ट्रोक तथा गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. के. तिवारी एवं सर्जन व स्वर्ण प्रश्न विशेषज्ञ डॉ. शर्मिला तिवारी ने उपस्थित महिलाओं और बच्चों को गर्मी में विशेष सावधानियां बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि तेज धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, बच्चों को हल्के कपड़े पहनाएं तथा खानपान का विशेष ध्यान रखें, ताकि हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा स्वर्ण प्रासन के बारे में जानकारी दी गई। दोनों अस्पतालों में कुल लगभग 150 बच्चों को स्वर्ण प्रश्न दिया गया। डॉ. एस. के. तिवारी ने बताया कि स्वर्ण प्रासन बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता और बुद्धि के विकास में सहायक होता है। इसके साथ ही यह बोलने में देरी, ऑटिज्म और डिस्लेक्सिया जैसी विकास संबंधी समस्याओं के जोखिम को कम करने में मददगार माना जाता है। उन्होंने बताया कि इससे डेंगू, कोविड, फ्लू, मस्तिष्क ज्वर, बार-बार होने वाले सीने के संक्रमण, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं से बचाव में भी सहायता मिलती है।

कार्यक्रम में महिलाओं को बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने तथा उनके मानसिक एवं शारीरिक विकास पर ध्यान देने के लिए भी प्रेरित किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि संतुलित दिनचर्या, पौष्टिक आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच बच्चों के बेहतर विकास के लिए आवश्यक है।

डॉक्टर और इन्फ्लुएंसर पर पब्लिक फोरम 24 मई को

वाराणसी(एजेंसी) :सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य और सौंदर्य से जुड़ी भ्रामक सलाहों के बीच सही जानकारी देने के उद्देश्य से डॉ. दीपाली गुप्ता

डॉक्टर और इन्फ्लुएंसरः ब्यूटी, हेल्थ और आइडेंटिटी पर अनफि ल्टर्ड बातचीतह्व शीर्षक से पब्लिक फोरम आयोजित कर रही हैं।

यह कार्यक्रम रविवार, 24 मई को शाम 5 से 7 बजे तक आशीर्वाद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, महमूरगंज में होगा।

24+ वर्षों के अनुभव वाली स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपाली गुप्ता ने बताया कि फोरम में स्किनकेयर, वेट लॉस ट्रेंड्स, इंटिमेट वेलनेस और महिला स्वास्थ्य से जुड़े मिथकों पर डॉक्टरों और विशेषज्ञों के साथ खुली बातचीत होगी। इसका उद्देश्य फैक्ट्स और फैड्स के बीच फर्क समझाकर महिलाओं को सही निर्णय लेने में मदद करना है।कार्यक्रम सभी के लिए खुला है। आयोजकों ने श्रोताओं से जीवनसाथी के साथ आने का आग्रह किया है।

जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के सभी सदस्यों ने अपील की है कि इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोग सहभागिता करें एवं लाभान्वित हो व कॉफी विथ जेएसके डॉ दीपाली गुप्ता मे शामिल हो कार्यक्रम के तहत सभी जेएसके समन्वयक उअ रश्मि केशरवानी, युक्ति गुप्ता, रवि सारडा, इंदु सिंह, प्रेम केशरी, उअ राहुल सिंह, प्रिया जायसवाल, समृद्ध गुप्ता, अमृता सिंह, प्रदीप मल्होत्रा, अरविन्द जैन ने सभी को आमंत्रित किया है

आवारा पशुओं और कुत्तों की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचना चिंता का विषय : शांता कुमार

शिमला, (एजेंसी) : पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने देश में बढ़ती आवारा कुत्तों और पशुओं की समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में आवारा कुत्तों की समस्या का मामला बार-बार सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचना अत्यंत हैरानी की बात है।शांता कुमार ने वीरवार को जारी एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट का दायित्व संविधान और देश की शासन व्यवस्था पर नजर रखना है, लेकिन आवारा कुत्तों की समस्या जैसे मुद्दों पर अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, यह शासन व्यवस्था की बड़ी कमी को दशार्ता है।शांता कुमार ने कहा कि देशभर में कुत्तों के काटने के लाखों मामले सामने आ रहे हैं। वहीं आवारा पशुओं के कारण कई स्थानों पर सड़क यातायात बाधित हो रहा है तथा किसानों को खेती छोड़ने तक की नौबत आ रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि देश के हजारों छोटे-बड़े मंदिरों में करोड़ों रुपये की संपत्ति और धनराशि उपलब्ध है। यदि प्रत्येक मंदिर को एक गौशाला संचालित करने की जिम्मेदारी दी जाए तो श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए धन का सदुपयोग होगा और मंदिरों की आय में भी वृद्धि हो सकती है।

उन्होंने कहा कि देश के हर नगर में नगर पालिकाएं और नगर परिषद जैसी बड़ी संस्थाएं हैं, जिनके पास करोड़ों-अरबों रुपये का बजट होता है। इसके बावजूद आवारा कुत्तों और पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। सरकार नसबंदी अभियान चलाकर कुत्तों की संख्या नियंत्रित कर सकती है तथा उनके लिए अलग स्थान निर्धारित किए जा सकते हैं।

निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू नहीं होंगे एसएमसी दिशानिर्देश 2026 : शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, (एजेंसी) : शिक्षा मंत्रालय ने स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) दिशानिर्देश 2026 को लेकर समाज के कुछ वर्गों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर गुरुवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि ये दिशानिर्देश शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम की धारा 2(एन)(4) के तहत आने वाले निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों पर लागू नहीं होंगे, बशर्ते ऐसे संस्थानों को अपने खर्चों के लिए केंद्र, राज्य सरकार या स्थानीय निकाय से किसी प्रकार की सहायता या अनुदान प्राप्त न हो।

मंत्रालय ने हालांकि कहा कि ऐसे निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को पारदर्शिता, जवाबदेही और सहभागितापूर्ण प्रशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूल प्रबंधन समितियों का गठन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।शिक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें स्कूलों, अभिभावकों और समुदाय की भी समान भागीदारी होती है। मंत्रालय के अनुसार, अभिभावकों, स्कूलों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत करना स्कूलों के समग्र संचालन को बेहतर बनाने और बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एसएमसी दिशानिर्देशों का उद्देश्य स्कूल प्रशासन में अधिक भागीदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, ताकि शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

रेल यात्रियों से सतर्क व सजग रहने की अपील, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना 139 पर दें : रेलवे

नई दिल्ली,(एजेंसी) : हाल के दिनों में रेलवे को निशाना बनाने वाली घटनाओं के मद्देनजर रेल मंत्रालय ने यात्रियों से यात्रा के दौरान सतर्क और सजग रहने की अपील की है। रेलवे ने कहा है कि स्टेशन परिसर या ट्रेनों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें, ताकि असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यहां रेल भवन में रेलवे सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में रेलवे राज्यमंत्री वी. सोमन्ना, रवनीत सिंह बिट्टू तथा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार सहित देशभर के फील्ड अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में बताया गया कि ट्रेनों, यात्रियों, स्टेशन परिसरों और विशाल रेल नेटवर्क की सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, सीसीटीवी और अन्य आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग कर रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के स्तर पर खुफिया तंत्र को मजबूत करते हुए मिशन मोड में यह अभियान चलाया जा रहा है।समीक्षा बैठक के दौरान हाल के कुछ अग्निकांडों सहित कई घटनाओं की प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता सामने आने की जानकारी दी गई। रेलवे ने इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कहा कि आरपीएफ सक्रिय रूप से जांच कर रही है। कई मामलों में रेलवे की त्वरित और सक्रिय कार्रवाई से बड़ी घटनाओं को टालने में सफलता मिली।

बैठक में फील्ड स्तर से खुफिया जानकारी जुटाने की प्रणाली को और मजबूत बनाने, रिपोर्टिंग तंत्र में सुधार करने तथा तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था को विस्तार देने पर जोर दिया गया। इसके अलावा रेलवे नेटवर्क में सीसीटीवी कवरेज बढ़ाने, साइबर सुरक्षा मजबूत करने, उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाने और एआई आधारित निगरानी प्रणाली विकसित करने पर भी चर्चा हुई।

मंत्रालय ने कहा कि रेलवे बोर्ड, विभिन्न जोनों, आरपीएफ और सरकारी रेलवे पुलिस के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को और बेहतर बनाकर सुरक्षा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रुथ पथ

धनबाद, शुक्रवार 22 मई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर– विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं .

सवाल पूछने दें – रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें – हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

री-डू सिखाएं – घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

ऑनलाइन मदद – पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे – बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

स्कूल वापसी – इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

तकनीक सीखें – ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटेशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर-सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-ड्टागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टी स्वाड्टाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।